छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

www.cgfrontline.com

RNI Reg No-CHHHIN/2020/87351

डाक पंजीयन क्र. 046/Surguja Dn/2024-26

वर्ष - 06 अंक - 238 बैकुंठपुर, शनिवार 27 जून 2026 पृष्ठ -8 मूल्य -1

हरित खाद के उपयोग से मिट्टी की उर्वरता बढ़ाने किसानों को किया जा रहा जागरूक: डॉ. संदीप शर्मा

ढैंचा, सनई एवं मूंग जैसी दलहनी फसलों के उपयोग से मिट्टी की गुणवत्ता में होगा सुधार

छ.ग.फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल एवं निदेशक विस्तार डॉ. एस.एस. टुटेजा के निर्देशानुसार तथा कृषि विज्ञान केंद्र, सरगुजा के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. संदीप शर्मा के मार्गदर्शन में किसानों को हरित खाद (ग्रीन मैन्योरिंग) के उपयोग के प्रति जागरूक किया जा रहा है। इस पहल का उद्देश्य टिकाऊ एवं प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के साथ-साथ मिट्टी की उर्वरता में वृद्धि करना है।

कृषि विज्ञान केंद्र, सरगुजा द्वारा आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में क्षेत्र के बड़ी संख्या में किसानों ने भाग लिया। कार्यक्रम में कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों को हरित खाद के वैज्ञानिक एवं व्यवहारिक लाभों की जानकारी देते हुए बताया कि ढैंचा, सनई एवं मूंग जैसी दलहनी फसलों को 40 से 45 दिनों की अवस्था में खेत में पलटकर हरित खाद के रूप में उपयोग किया जाता है। वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. संदीप शर्मा ने बताया कि ढैंचा, सनई एवं मूंग जैसी दलहनी फसलें राइजोबियम जीवाणुओं की सहायता से वायुमंडलीय नाइट्रोजन का स्थिरीकरण कर लगभग 50 से 55 किलोग्राम नाइट्रोजन प्रति हेक्टेयर भूमि में उपलब्ध कराती हैं। इससे मिट्टी में जैविक कार्बन एवं नाइट्रोजन की मात्रा बढ़ती है, जिसके परिणामस्वरूप मिट्टी की उर्वरता में वृद्धि होती है तथा रासायनिक उर्वरकों की आवश्यकता कम हो जाती है। उन्होंने बताया कि हरित खाद के उपयोग से मिट्टी की संरचना में सुधार, जल धारण क्षमता में वृद्धि तथा लाभकारी सूक्ष्मजीवों की सक्रियता बढ़ती है। इससे फसल उत्पादन में वृद्धि होने के साथ-साथ भूमि की दीर्घकालीन उत्पादकता भी बनी रहती है। यह पद्धति किसानों के लिए कम लागत में अधिक उत्पादन प्राप्त करने का प्रभावी एवं पर्यावरण अनुकूल विकल्प है।

कार्यक्रम में कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों से अपील की, कि वे खरीफ फसलों की बुवाई से पूर्व अपने खेतों में हरित खाद का

कृषि विज्ञान केंद्र अजिरमा में कृषक-वैज्ञानिक परिचर्चा आयोजित

आत्मा योजनांतर्गत कृषि विज्ञान केंद्र अजिरमा में एक दिवसीय कृषक-वैज्ञानिक परिचर्चा का आयोजन किया गया। परिचर्चा में क्षेत्र के 27 प्रगतिशील किसानों ने सहभागिता की। कार्यक्रम में कृषि वैज्ञानिकों एवं विभागीय अधिकारियों ने किसानों को आगामी खरीफ सीजन की तैयारियों, कम वर्षा की स्थिति में खेती के प्रबंधन तथा आधुनिक कृषि तकनीकों की जानकारी प्रदान की। परिचर्चा के दौरान किसानों ने खेती से संबंधित विभिन्न समस्याओं एवं जिज्ञासाओं को कृषि वैज्ञानिकों के समक्ष रखा, जिनका वैज्ञानिक तथ्यों के आधार पर समाधान किया। किसानों ने खरीफ फसल प्रबंधन, जल संरक्षण तथा वैज्ञानिक खेती की नवीन तकनीकों की उपयोगी जानकारी प्राप्त की और इसे अपने खेतों में अपनाने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. संदीप शर्मा तथा वैज्ञानिक पांडु राम पैकरा ने अलनीनो के संभावित प्रभाव एवं कम वर्षा की परिस्थितियों में अपनाई जाने वाली वैज्ञानिक कृषि पद्धतियों से अवगत कराया। उन्होंने किसानों को कम अवधि एवं कम पानी में तैयार होने वाली फसलों एवं उन्नत किस्मों का चयन करने, जल संरक्षण की तकनीकों को अपनाने तथा कतारबद्ध बुवाई करने की सलाह दी। साथ ही सुगंधित धान की उन्नत खेती, उसकी गुणवत्ता एवं बाजार में उपलब्ध बेहतर मूल्य की संभावनाओं पर भी विस्तार से प्रकाश डाला।

होटल का मैनेजर अपने लाभ के लिये चोरी-छिपे बेचता था शराब

उड़नदस्ता टीम ने आबकारी अधिनियम का मामला दर्ज किया

छ.ग.फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। संभागीय आबकारी उड़नदस्ता संभाग सरगुजा की टीम ने खरसिया रोड में स्थित होटल दीप में छापामार कार्रवाई करके होटल मैनेजर के विरुद्ध आबकारी अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज किया है।

सहायक जिला आबकारी अधिकारी रंजीत गुप्ता ने बताया कि, काफी समय से अंबिकापुर में खरसिया रोड होटल ग्रैंड बसंत के सामने स्थित होटल दीप में अवैध रूप से शराब बेचने की शिकायत मिल रही थी। इसकी तस्दीक के लिए उन्होंने शुक्रवार, 26 जून को एक छद्म क्रेता को शराब खरीदने के लिए सुबह-सुबह होटल दीप भेजा। यहां से क्रेता दो पाव ब्लैक डॉग का 1000 रुपये में खरीद कर लाया। खरीदी होने के पश्चात् सुबह ही होटल दीप में छापामार कार्रवाई की गई। होटल का मैनेजर जुनैद अपने रूम में मौजूद था। होटल के रूम की तलाशी लेने पर एक कमरे में सिग्नेचर की एक बोतल, ब्लेंडर प्राइड की दो अद्धी तथा दो पाव, रॉयल चैलेंज का एक पाव तथा आरएस बैरल के दो बोतलों में आधी भरी शराब मिली। इसे जब्त करके होटल मैनेजर के विरूद्ध आबकारी अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई। होटल मैनेजर जुनैद ने बताया कि होटल संचालक का इस अवैध शराब की बिक्री से कोई संबंध नहीं है। पैसे के लालच में वह चोरी छिपे शराब बेचता था। कार्रवाई में सहायक जिला आबकारी अधिकारी रंजीत गुप्ता के साथ सहायक उप निरीक्षक रमेश दुबे, प्रधान आरक्षक अशोक सोनी, नगर सैनिक गणेश पाण्डेय, रणविजय सिंह, रोहित सोनवानी, महिला सैनिक राजकुमारी सिंह, चंद्रावती सक्रिय रहे।

सरगुजा जिले के नगरीय निकायों में 15 एल्डरमैन नियुक्त, समर्पित कार्यकर्ताओं को मिली नई जिम्मेदारी

अंबिकापुर। प्रदेश सरकार ने नगरीय निकायों में एल्डरमैन (नामांकित पार्षद) की नियुक्ति के आदेश जारी कर दिए हैं। इस सूची में संगठन के समर्पित कार्यकर्ताओं को नई जिम्मेदारी दी गई है। सरगुजा जिले से कुल 15 लोगों को एल्डरमैन मनोनीत किया गया है, इनमें नगर पालिक निगम अंबिकापुर से सर्वाधिक 9, नगर पंचायत लखनपुर से 3 और नगर पंचायत सीतापुर से 3 लोगों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। सरगुजा के नगर पालिक निगम अंबिकापुर से करता राम गुप्ता, श्रीमती सावित्री जायसवाल, राजबहादुर सिंह, शरद सिन्हा, श्रीमती किरण सोनी, संतोष दास, तजिन्दर बग्गा, रमेश जायसवाल, श्रीधर केशरी (दिव्यांग) नामांकित पार्षद नियुक्त किये गये हैं। एल्डरमैन नगर निगम और नगर पंचायतों में शासन द्वारा मनोनीत सदस्य होते हैं। इन्हें सदन में मतदान करने का अधिकार नहीं होता, लेकिन शहर के विकास कार्यों, नीति-निर्धारण और जनहित के मुद्दों पर सुझाव देने का पूरा अधिकार रहता है। इनकी नियुक्तियों से जमीनी स्तर पर कामकाज को गति मिलने की संभावना प्रबल हुई है। इन नियुक्तियों के बाद संगठन और स्थानीय स्तर पर खुशी की लहर है। कार्यकर्ताओं ने इसके लिये प्रदेश नेतृत्व का आभार जताया है। भाजपा प्रदेश महामंत्री अखिलेश सोनी तथा भाजपा जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया ने इस नियुक्ति पर नामांकित पार्षदों को बधाई प्रेषित करते हुए उनसे जनसरोकार के प्रति समर्पण के साथ अंबिकापुर नगर निगम क्षेत्र की समस्याओं के समाधान हेतु काम करने का आह्वान किया है। नवनियुक्त एल्डरमैन अब नगर विकास, स्वच्छता, और जनसमस्याओं के समाधान में सक्रिय भूमिका निभाएंगे। नगर पंचायत सीतापुर में नेमलाल गुप्ता, श्रीमती अमृता पैकरा, अनेश्वर गुप्ता, नगर पंचायत लखनपुर में दिनेश गुप्ता, प्रदीप गुप्ता, श्रीमती मालती कश्यप को नामांकित पार्षद की जिम्मेदारी मिली है।

छात्रवृत्ति भुगतान संबंधी शिकायत का एक सप्ताह के भीतर हुआ निराकरण

एमसीबी। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के सुशासन एवं जनसमस्याओं के त्वरित समाधान के संकल्प के अनुरूप मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 में प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित किया जा रहा है। इसी क्रम में जिला मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर के मनेंद्रगढ़ निवासी साकेत जलतारे द्वारा पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति के भुगतान से संबंधित शिकायत मुख्यमंत्री हेल्पलाइन में दर्ज कराई गई थी। शिकायत प्राप्त होने के पश्चात प्रकरण को संबंधित आदिम जाति विकास विभाग को प्रेषित किया गया। विभाग द्वारा मामले का परीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई करते हुए एक सप्ताह के भीतर शिकायत का निराकरण कर दिया गया। त्वरित कार्रवाई के परिणामस्वरूप हितग्राही की छात्रवृत्ति भुगतान संबंधी समस्या का समाधान सुनिश्चित हुआ। शिकायत के निराकरण उपरांत मुख्यमंत्री हेल्पलाइन के माध्यम से हितग्राही से फीडबैक प्राप्त किया गया।

अतिक्रमण हटाने गई टीम को झूमाझटकी, गालीगलौज का करना पड़ा सामना

समझाइश बेअसर होने पर पुलिस ने दिखाई सख्ती, 4 लोगों के विरूद्ध केस दर्ज

छ.ग.फ्रंटलाइन

उदयपुर। शासकीय भूमि से कब्जा हटाने गये अधिकारियों के साथ गालीगलौज और जान से मारने की धमकी देते हुये धक्का-मुक्की करने, खुद पर पेट्रोल डालकर आग लगाने की धमकी देने के मामले में पुलिस ने चार आरोपियों के विरूद्ध केस दर्ज किया है। घटना उदयपुर थाना क्षेत्र के ग्राम तोलगा की है।

पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, ग्राम पंचायत तोलगा के द्वारा एसडीएम उदयपुर के समक्ष शासकीय भूमि खसरा नंबर 183/861 रकबा 3.076 हेक्टेयर भूमि से कब्जा हटाने के लिये आवेदन प्रस्तुत किया गया था, जिस पर एसडीएम ने 23 जून को आदेश दिया था कि, उपरोक्त शासकीय भूमि के अंश भाग से श्रवण दास पिता रजिन्द्र दास एवं नारायण पिता शिवलाल गोंड़ के द्वारा अतिक्रमण करके बनाये गये घर को हटाया जाये। नारायण पिता शिवलाल गोंड ने स्वयं से शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटा लिया लेकिन श्रवण दास के द्वारा अतिक्रमण नहीं हटाने पर उदयपुर के तहसीलदार तारा सिदार, नायब तहसीलदार संजय सारथी के द्वारा 24 जून को अतिक्रमण हटाना नियत किया गया था। 24 जून को पुलिस बल के साथ मौके पर तहसीलदार, नायब तहसीलदार एवं हल्का पटवारी पहुंचे इस दौरान पंचायत सचिव एवं सरपंच भी उपस्थित थे। श्रवण दास और उसकी पत्नि को अतिक्रमण करके बनाये गये घर से सामान निकालने की समझाइश दी गई, लेकिन वे अपनी तरफ से घर को खाली करने के लिये राजी नहीं हुये। इसके बाद जेसीबी मशीन से अतिक्रमण को तोड़ने की पहल की जाने लगी, तभी श्रवण दास व उसकी पत्नि घर के अंदर जाकर दरवाजा बंद कर लिये और ज्ञानदास, आकाश दास दोनों घर के दरवाजे पर खड़ा होकर घर के सामान को निकालने एवं घुसने से मना करते हुये जान से मारने की धमकी देकर गाली-गलौज करने लगे। इनके पास एक सफेद रंग का जरकिन था, जिसमें वे पेट्रोल रखे थे, और घर को तोड़ने पर पेट्रोल डालकर आग लगा लेने की धमकी दे रहे थे। प्रशासन और पुलिस के अधिकारियों की समझाइश के बाद भी वे नहीं माने, तब थाना प्रभारी उदयपुर शिशिरकांत सिंह एवं सैनिक नंदलाल, आरक्षक हेमंत के द्वारा आकाश दास के हाथ से पेट्रोल भरा जरकिन छुड़ाने का प्रयास किया गया। इस दौरान हाथ-मुक्का चलाते छीना-झपटी करने लगे। इस दौरान श्रवण दास व उसकी पत्नि भी घर से बाहर निकल गये, और धक्का-मुक्की के बीच थाना प्रभारी और सहयोगी पुलिस कर्मी चोंटिल हो गये। इनकी हरकत को देखकर पुलिस सख्त हुई और मौके से इन्हें बलपूर्वक हटाकर घर का सामान निकाला गया। मौके पर पंचनामा कार्रवाई के बाद तहसीलदार उदयपुर ने जेसीबी मशीन से शासकीय भूमि पर अतिक्रमण करके बनाये गये घर को ध्वस्त कर दिया। मामले में पुलिस ने पंचायत सचिव की रिपोर्ट पर आरोपियों के विरूद्ध बीएनएस की धारा 121(1), 132, 221, 296, 3(5), 351(3) का मामला दर्ज कर लिया है।

मुहर्रम के मौके पर निकला ताजिया जुलूस, मुस्लिम समुदाय ने 'या हुसैन' की सदाएं बुलंद की

छ.ग.फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। सरगुजा जिले में पैगंबर हजरत मुहम्मद साहब के नवासे हजरत इमाम हसन और हजरत इमाम हुसैन की शहादत की याद में मुहर्रम के मौके पर ताजिया जुलूस निकाला गया, जिसमें हजारों की संख्या में अकीदतमंद एवं शहरवासी शामिल हुये। मुस्लिम समुदाय के लोग शोक और अकीदत के साथ 'या हुसैन' की सदाएं बुलंद करते रहे।

बता दें कि, पैगंबर साहब के नवासे इमाम हुसैन ने इराक के कर्बला में इंसानियत, न्याय और सच्चाई की रक्षा के लिए अपने प्राणों का बलिदान दिया था, उसी शहादत को याद करके मुहर्रम मनाया जाता है। मुहर्रम के मौके पर विभिन्न इलाकों से अकीदतमंद ढोल-नगाड़ों और पारंपरिक अखाड़े के साथ ताजिया जुलूस निकाले, और अंत में पूरी श्रद्धा के साथ ताजिया को कर्बला में विसर्जन किया। सरगुजा संभाग में इस जुलूस में अन्य धर्मों के लोग भी शामिल हुये, जगह-जगह लोगों के लिए शरबत व लंगर की व्यवस्था की गई थी। प्रशासन की ओर से इस दौरान पूर्व में बैठक में लिये गये निर्णय के अनुरूप ट्रैफिक, प्रकाश व्यवस्था, एम्बुलेंस, पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित की गई थी। शहर की 14 मस्जिद कमेटियों और मोहर्रम कमेटी के पदाधिकारी एवं सदस्यों की ओर से भी ताजिया जुलूस दौरान किसी प्रकार के व्यवधान की स्थिति न बने, इसका पूरा ध्यान रखा गया था। अंबिकापुर की ऐतिहासिक गंगा-जमुनी तहज़ीब, आपसी एकता, भाईचारे और सद्भाव को कायम रखते हुए मोहर्रम का पर्व मनाया गया।

व्यापारिक संस्थानों की सुरक्षा सुनिश्चित करने पुलिस ने की साझा बैठक

बड़े संस्थानों में हाई फ्रिक्वेंसी के सीसीटीवी कैमरे लगाने सहित दिये गये अन्य निर्देश

छ.ग.फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। डीआईजी एवं एसएसपी सरगुजा के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सरगुजा एवं नगर पुलिस अधीक्षक अंबिकापुर ने चेम्बर ऑफ़ कॉमर्स के सदस्यों सहित महत्वपूर्ण व्यापारिक संस्थान, ज्वेलर्स दुकान संचालकों की संयुक्त बैठक लेकर सुरक्षा के मापदंडों पर चर्चा की। इस दौरान आवश्यक सुरक्षा प्रबंध पर आम सहमति बनी।

व्यापारिक संस्थानों की सुरक्षा सुनिश्चित करने, आपराधिक घटनाओं में कमी लाने एवं नगर सुरक्षा में व्यापारी वर्ग की सक्रिय साझेदारी एवं सहयोग बनाये रखने के उद्देश्य से डीआईजी एवं एसएसपी सरगुजा राजेश कुमार अग्रवाल ने चेम्बर ऑफ़ कॉमर्स के सदस्यों सहित ज्वेलर्स दुकान संचालकों एवं अन्य व्यापारिक संस्थानों के संचालको की बैठक लेकर नगर सुरक्षा के संबंध में आवश्यक चर्चा की। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमोलक सिंह ढिल्लो एवं नगर पुलिस अधीक्षक राहुल बंसल ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित संयुक्त बैठक में विषयवार चर्चा करके नगर सुरक्षा में सभी से सहयोग देने का आह्वान किया। इस दौरान दुकानों एवं संस्थाओं के सामने उच्च गुणवत्ता के सी.सी.टी.व्ही. कैमरा लगाने, कैमरे की टाइमिंग को सही रखने और मेमोरी स्टोरेज अधिक से अधिक समय तक का रखने पर आम सहमति बनी।

पुलिस ने बताये सुरक्षात्मक टिप्स बैठक के दौरान चौक-चौराहों पर आधुनिक सी.सी.टी.व्ही. कैमरा लगाने एवं पहले से लगे सी.सी.टी.व्ही. कैमरों का संधारण व्यापारियों के सहयोग से पर आम सहमति बनी। संस्थान के अन्दर प्रवेश करने वाले ऐसे ग्राहक जिनका चेहरा ढका हो, हेलमेट लगाये हों अथवा मास्क पहनकर बैठे हों उनपर विशेष ध्यान देने कहा गया। संस्थानों से बड़ी रकम एवं सोने-चांदी को लाने और ले जाने के समय विशेष सावधानी एवं सतर्कता रखने कहा गया। इस बात का ध्यान रखने कहा गया कि, कोई उनका पीछा न कर रहा हो।

आपातकालीन नंबर अपने पास जरूर रखें

सभी दुकानों, संस्थानों के संचालकों को आपातकालीन स्थिति के लिए निकटतम थाना, पुलिस कंट्रोल रूम एवं फायर ब्रिगेड कंट्रोल रूम का मोबाइल नंबर आवश्यक रूप से रखने कहा गया, ताकि समय पर जानकारी मिल सके। प्रतिष्ठान में जो भी सुरक्षा गार्ड दिन-रात में रहते हैं, उनके पास यह आपातकालीन नंबर उपलब्ध रहे। साथ ही आपातकालीन अलार्म सिस्टम लगाने पर जोर दिया गया।

कर्मचारियों का पुलिस वेरीफिकेशन कराएं

दुकानों/संस्थानों में रहने वाले कर्मचारियों का विधिवत पुलिस वेरिफिकेशन कराने कहा गया। बैठक में चेम्बर ऑफ़ कॉमर्स के सदस्यों सहित ज्वेलर्स दुकान संचालक एवं बड़ी संख्या में नगर के व्यापारी, सायबर सेल प्रभारी सहायक उप निरीक्षक अजीत मिश्रा एवं अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

वेनेजुएला में विनाशकारी भूकंप से चारों ओर मची तबाही

राजधानी कराकास से 1700 किमी दूर ब्राजील तक में महसूस हुए झटके

एजेंसी ⏭ कराकस

वेनेजुएला में 7.2 और 7.5 तीव्रता के दो भूकंपों से तबाही मच गई। 39 सेकेंड के अंदर राजधानी कराकस की ऊंची इमारतें मलबे के ढेर में बदल गईं। भूकंप ने कुछ ही सेकेंड में हजारों लोगों की जिंदगी बदल दी। कई परिवारों ने अपनों को खो दिया, सैकड़ों लोग घायल हुए और बड़ी संख्या में लोगों को घर छोड़ना पड़ा। इस तबाही के बीच कई भावुक और दिल दहला देने वाले दृश्य सामने आए।

कोई मलबे से सुरक्षित निकलने के बाद अपनी बेटी को गले लगाकर रो पड़ा, तो कई लोगों ने जान जोखिम में डालकर पालतू जानवरों को बचाया। यह वेनेजुएला में पिछले 100 साल से भी अधिक समय में आया सबसे विनाशकारी भूकंप है।

युद्ध स्तर पर राहत और बचाव कार्य चल रहा

100 साल से भी अधिक का विनाशकारी भूकंप

मां की ममता

कराकस में सुरक्षित रहने पर एक मां अपने बच्चे को गले से लगाते हुई

जमींदोज हुई उम्मीदें

कराकस में भूकंप से कई इमारतें मलबों में तब्दील हो गईं, सड़कें क्षतिग्रस्त हो गई

ब्राजील में लोग सुरक्षित रहे

इसके झटके इतने तेज थे कि वेनेजुएला की राजधानी काराकास से करीब 1,700 किलोमीटर दूर ब्राजील के अमेजन क्षेत्र तक की इमारतें हिल गईं और लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। फिलहाल प्रभावित इलाकों में मलबे के नीचे दबे लोगों को बचाने के लिए युद्ध स्तर पर राहत और बचाव कार्य चलाया जा रहा है।

जिंदगी बचाने की कवायद

कराकास के एक अस्पताल में भूकंप प्रभावित लोग

स्लैब की चपेट में

ला गुआरा में स्लैब के नीचे दबे व्यक्ति के पांव, पूरा धड़ मलबे में दबा

वैज्ञानिकों की चेतावनी: यूएस में आ सकता है शक्तिशाली भूकंप

लॉस एंजेलिस और रिवरसाइड शहरों की जमीन के अंदर धधक रहा है गर्म लावा

भू वैज्ञानिकों ने अमेरिका के कैलिफोर्निया राज्य में भूकंप की चेतावनी दी है। उनका कहना है कि साउथ में सैन एंड्रियास-सैन जैसिंटो फॉल्ट लाइनों पर पड़ रहा दबाव अपने चरम पर पहुंच चुका है। पिछले 1000 साल से इन लाइनों पर दबाव पड़ रहा है। उन्होंने चेतावनी दी है कि दोनों फॉल्ट्स की आपस में टकराने के बाद विनाशकारी भूकंप आ सकता है। अगर ऐसा होता हुआ तो सैन एंड्रियास और सैन जैसिंटो फॉल्ट लाइन के बीच स्थित लॉस एंजिल्स शहर धरती में समा जाएगा। यूनिवर्सिटी ऑफ हवाई और यूएस जियोलॉजिकल सर्वे (यूएसजीएस) के विशेषज्ञों ने लाइनों पर अध्ययन किया है। फिजिक्स-बेस्ड मॉडल से यह अध्ययन किया गया है। इसमें वैज्ञानिकों ने 1000 ईस्वी से साल 2026 तक इन लाइनों पर पड़ने वाले दबाव का पता चलाया है। अध्ययन में पता चला है कि लॉस एंजेलिस और रिवरसाइड शहरों की जमीन के नीचे लावा धधक रहा है, जिसके कारण धरती गर्म हो रही और दबाव बढ़ता जा रहा है।

दुनिया ने जताया दुख

हम आपके साथ: उर्सुला

यूरोपीय संघ (ईयू) की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने प्रभावितों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं और एकजुटता प्रकट की है। उन्होंने लिखा कि कल रात आए विनाशकारी भूकंप के बाद हम सभी वेनेजुएलावासियों के प्रति अपनी एकजुटता व्यक्त करते हैं।

प्रभावितों के प्रति मेरी संवेदनाएं: मैक्रों

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने भूकंप पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए प्रभावित लोगों के प्रति अपनी संवेदनाएं प्रकट कीं। उन्होंने लिखा कि वेनेजुएला के लोगों के प्रति मेरी संवेदनाएं और समर्थन।

सहयोग के लिए तैयार: सिल्वा

ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा ने लिखा कि तबाही पर मुझे गहरा दुख है। हम प्रभावित क्षेत्रों के पुनर्निर्माण में पूरा सहयोग देने का संकल्प दोहराते हैं।

खबर संक्षेप

ट्रिलियनेयर से फिर बिलियनेयर हो गए मस्क

नई दिल्ली। एलन मस्क अब ट्रिलियनेयर नहीं है। 12 जून को स्पेसएक्स के शेयर बाजार में शानदार डेब्यू के बाद मस्क दुनिया के पहले ट्रिलियनेयर बने थे। अब उनकी संपत्ति घटकर 950 बिलियन डॉलर तक पहुंच गई है। 16 जून को स्पेसएक्स का शेयर 225.64 डॉलर के रिकॉर्ड स्तर तक पहुंच गया। इसके बाद स्पेसएक्स का शेयर करीब 31% गिरकर 156 डॉलर के आसपास आ गया। एलन मस्क की संपत्ति घट गई।

कोलंबिया के नए राष्ट्रपति होंगे डी ला एस्प्रिएला

बोगोटा। कोलंबिया में राष्ट्रपति पद के लिए हुए दूसरे चरण के चुनाव में एबेलार्डो डी ला एस्प्रिएला को विजेता घोषित किया गया है। वह देश के अगले राष्ट्रपति होंगे। 7 अगस्त से पदभार संभालेंगे। उनका कार्यकाल चार साल का होगा। कपड़ों, वाइन और रम के कारोबार तथा एक रेस्तरां समेत कई व्यावसायिक उपक्रमों से जुड़े कारोबारी एस्प्रिएला (47) ने कभी कोई चुनाव नहीं लड़ा था, फिर भी उन्हें अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का समर्थन मिला।

पूर्व मंत्री अरोड़ा की 55 करोड़ की संपत्तियां कुर्क

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के नेता संजीव अरोड़ा, उनके परिवार और उनसे जुड़ी एक रियल एस्टेट कंपनी की 55.57 करोड़ रुपए मूल्य की संपत्तियां धनशोधन निवारण अधिनियम के तहत कुर्क की गई हैं। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने यह जानकारी दी। ईडी ने नौ मई को अरोड़ा (62) को गिरफ्तार किया था। यह गिरफ्तारी कथित तौर पर 100 करोड़ रुपए की जीएसटी धोखाधड़ी को लेकर है।

पीएम मोदी से अमेजन के सीईओ एंडी जेसी की मुलाकात के बाद बड़ा ऐलान

भारत में 48 अरब डॉलर निवेश करेगी कंपनी एआई, ई-कॉमर्स और लॉजिस्टिक्स क्षेत्र में जोर

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

> एंडी जेसी के अनुसार, अमेजन का लक्ष्य वर्ष 2030 तक भारत में 38 लाख रोजगार अवसरों का समर्थन करना, 80 अरब डॉलर के ई-कॉमर्स निर्यात को सक्षम बनाना तथा 1.5 करोड़ छोटे व्यवसायों और 40 लाख सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों तक एआई के लाभ पहुंचाना है

अमेजन के सीईओ एंडी जेसी ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात कर भारत में कंपनी की दीर्घकालिक निवेश योजनाओं पर चर्चा की। इस दौरान अमेजन ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर, ई-कॉमर्स और लॉजिस्टिक्स क्षेत्र में वर्ष 2026 से वर्ष 2030 तक 48 अरब डॉलर का कुल नियोजित निवेश करने की घोषणा की।

मुलाकात के बाद एंडी जेसी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी के साथ भारत में अमेजन की भविष्य की योजनाओं को लेकर सार्थक चर्चा हुई।

उन्होंने बताया कि अगले पांच वर्षों में प्रस्तावित 48 अरब डॉलर के निवेश में 21 अरब डॉलर से अधिक राशि एआई और क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर के विस्तार पर खर्च की जाएगी।

- भारत में रोजगार और डिजिटल सशक्तिकरण का लक्ष्य
- छोटे व्यवसायियों और स्कूलों तक एआई का लाभ पहुंचेगा

पीएम मोदी से मुलाकात करते अमेजन के सीईओ एंडी जेसी

युवाओं के लिए पैदा होंगे अवसर: पीएम

पीएम मोदी ने गुरुवार को भारत में अमेजन के 48 अरब डॉलर के निवेश का स्वागत किया और कहा कि इससे देश युवाओं के लिए अवसर पैदा होंगे। साथ ही, यह पूरी दुनिया की भारत में निवेश करने को लेकर रुचि को दिखाता है। पीएम मोदी ने लिखा कि एंडी जेसी के साथ बैठक शानदार रही। मैं भारत में अमेजन के रिकॉर्ड 48 अरब डॉलर के निवेश का स्वागत करता हूं।

भारत में अपार संभावनाएं

एंडी जेसी के अनुसार, अमेजन का लक्ष्य वर्ष 2030 तक भारत में 38 लाख रोजगार अवसरों का समर्थन करना, 80 अरब डॉलर के ई-कॉमर्स निर्यात को सक्षम बनाना तथा 1.5 करोड़ छोटे व्यवसायों और 40 लाख सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों तक एआई के लाभ पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि भारत में ग्राहकों, विक्रेताओं, स्टार्टअप्स और डेवलपर्स के साथ कंपनी की यात्रा अभी शुरुआती दौर में है और भविष्य में विकास की व्यापक संभावनाएं मौजूद हैं।

तेज डिलीवरी सेवाएं देंगे

अमेजन ने इस वर्ष देशभर में 20 से अधिक नए फुलफिलमेंट सेंटर और 100 से ज्यादा नए लास्ट-माइल डिलीवरी स्टेशन शुरू करने की योजना बनाई है। इससे विशेष रूप से टियर-3 और टियर-4 शहरों में ग्राहकों को तेज और अधिक भरोसेमंद डिलीवरी सेवाएं उपलब्ध होंगी।

मुंबई और हैदराबाद में होगा विस्तार

अमेजन वेब सर्विसेज (एडब्ल्यूएस) के डेटा सेंटर नेटवर्क का विस्तार मुंबई और हैदराबाद में किया जाएगा। इससे स्टार्टअप्स, उद्योगों और सरकारी संस्थानों को एआई चिप्स, प्रबंधित एआई सेवाओं, सुरक्षित क्लाउड तकनीक और डेवलपर टूल्स तक बेहतर पहुंच मिलेगी। कंपनी ने बताया कि वर्ष 2010 से 2030 के बीच भारत में उसका कुल निवेश 88 अरब डॉलर से अधिक हो जाएगा।

बांग्लादेशी नागरिकों के लिए बड़ा फैसला

भारत ने फिर शुरू की टूरिस्ट वीजा सेवा, दे सकेंगे आवेदन

एजेंसी ⏭ ढाका

भारत ने लगभग दो साल बाद बांग्लादेशी नागरिकों के लिए टूरिस्ट वीजा सेवा फिर से शुरू करने का फैसला किया है। भारतीय उच्चायुक्त दिनेश त्रिवेदी ने गुरुवार को घोषणा की कि 28 जून से बांग्लादेश के पांच वीजा आवेदन केंद्रों के जरिए सामान्य टूरिस्ट वीजा आवेदन स्वीकार किए जाएंगे। भारतीय वीजा आवेदन केंद्र (आईवीएसी) में घोषणा करते हुए दिनेश त्रिवेदी ने कहा कि उन्हें यह बताते हुए खुशी हो रही है कि टूरिस्ट वीजा के लिए सामान्य आवेदन प्रक्रिया दोबारा शुरू की जा रही है। इसके तहत रविवार 28 जून 2026 से आवेदन जमा किए जा सकेंगे।

■ पांच केंद्रों से शुरू होगी सेवा

सुरक्षा कारणों से सीमित करनी पड़ी थीं सेवाएं

5 अगस्त 2024 को धनमंडी स्थित इंदिरा गांधी सांस्कृतिक केंद्र में तोड़फोड़ और आगजनी की घटना हुई थी। इसके अलावा बांग्लादेश के विभिन्न शहरों में पांच इंडियन वीजा एप्लीकेशन सेंटर (आईवीएसी) पर हमले हुए थे। विकास परियोजनाओं पर काम कर रहे भारतीय कर्मचारियों को भी हमले की धमकियां मिली थीं। सुरक्षा खतरों और भारतीय उच्चायोग परिसर पर हमलों के कारण भारत को बांग्लादेश में वीजा संबंधी गतिविधियां सीमित करनी पड़ी थीं।

राष्ट्रपति को सौंपा परिचय पत्र

ढाका में नियुक्त भारतीय उच्चायुक्त दिनेश त्रिवेदी ने गुरुवार को बंगभवन में बांग्लादेश के राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन को अपना परिचय पत्र सौंपा। इस दौरान गार्ड ऑफ ऑनर के साथ उनका स्वागत किया गया। राष्ट्रपति ने उनका स्वागत करते हुए उम्मीद जताई कि वे अपने कार्यकाल में भारत और बांग्लादेश के द्विपक्षीय संबंधों को आगे बढ़ाने में योगदान देंगे। इसके बाद त्रिवेदी ने जमुना फ्यूचर पार्क स्थित इंडियन वीजा एप्लीकेशन सेंटर का दौरा किया और वहीं से बांग्लादेशी नागरिकों के लिए टूरिस्ट वीजा सेवा बहाल करने की घोषणा की।

समुद्री सहयोग को मिलेगी नई मजबूती

कल से तीन दिवसीय दौरे पर सेशेल्स जाएंगे प्रधानमंत्री मोदी

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

सेशेल्स के राष्ट्रीय दिवस के स्वर्ण जयंती समारोह शामिल होने के लिए पीएम नरेंद्र मोदी 27 से 29 जून तक सेशेल्स की राजकीय यात्रा पर रहेंगे। यह यात्रा भारत और सेशेल्स के बीच मजबूत दोस्ती, समुद्री सहयोग और आपसी साझेदारी को नई मजबूती देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। विदेश मंत्रालय के अनुसार पीएम मोदी की सेशेल्स की यह राजकीय यात्रा राष्ट्रपति डॉ. पैट्रिक हर्मिनी के निमंत्रण पर हो रही है।

पीएम मोदी इससे पहले वर्ष 2015 में सेशेल्स गए थे। इस बार सेशेल्स अपने राष्ट्रीय दिवस की स्वर्ण जयंती 50वीं वर्षगांठ मना रहा है, जिसमें पीएम मोदी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। समारोह में भारतीय रक्षा बलों का एक दल और भारतीय नौसेना के दो युद्धपोत भी हिस्सा लेंगे।

सेना के अधिकारी का वाहन रोका

थाने में की मारपीट, कमांडिग ऑफिसर समेत 40 जवानों पर एफआईआर दर्ज

एजेंसी ⏭ जम्मू

जम्मू कश्मीर पुलिस ने किश्तवाड़ जिले में एक थाने में घुसकर पुलिसकर्मियों पर हमला करने और सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के आरोप में सेना के एक कमांडिंग ऑफिसर सहित कई सैन्य कर्मियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। सेना ने गुरुवार (25 जून 2026) को कहा कि इस मामले की जांच की जा रही है और संयुक्त जांच के आधार पर उचित कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों के अनुसार, यह घटना उस समय हुई जब पुलिस दल ने कथित यातायात उल्लंघन के चलते सेना के एक अधिकारी के निजी वाहन रोककर जब्त कर लिया।

अथोली पुलिस थाने में दर्ज प्राथमिकी में कहा गया है कि यह घटना 24 जून को उस समय हुई जब थाना प्रभारी इंस्पेक्टर अमृत कोटाच एक बैठक में शामिल होने के लिए पड्डर ब्लॉक डेवलपमेंट ऑफिसर के कार्यालय गए हुए थे।

कामाख्या मंदिर में शक्ति उपासकों की भीड़

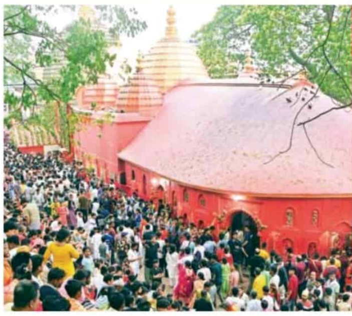

अंबुबाची मेला का आज अंतिम दिन

गुवाहाटी। असम के गुवाहाटी में नीलांचल पहाड़ियों पर इन दिनों शक्ति उपासकों की भारी भीड़ जमा है क्योंकि यहां पर हर साल की भांति अंबुवाची मेला जारी है। मां कामख्या के पावन धाम पर लगने वाले इस महापर्व में शामिल होने के लिए पूरे भारत से लाखों की तादाद में देवी के भक्त, साधु-संन्यासी और तीर्थयात्री पहुंच रहे हैं। शक्ति की उपासकों से जुड़ा यह धार्मिक उत्सव 22 जून की शाम को शुरू हुआ था और 26 जून तक चलेगा।

खाड़ी से भारत के लिए बड़ी राहत, एलपीजी एलएनजी लेकर निकले

30 भारतीय जहाज ने पार किया होर्मुज, 26 कतार में

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

28 फरवरी को शुरू हुए अमेरिका-ईरान युद्ध के बाद से वैश्विक व्यापार के लिए सबसे संवेदनशील माने जाने वाले समुद्री मार्ग होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों की आवाजाही पर गहरा असर पड़ा था। हालांकि, अब इस मार्ग से राहत की खबर आ रही है। जहाजरानी मंत्रालय के सूत्रों के मुताबिक युद्ध की शुरुआत के बाद से भारत आने वाले कुल 30 व्यावसायिक जहाज होर्मुज को सुरक्षित रूप से पार कर चुके हैं। वहीं 26 अन्य जहाज अभी भी इस महत्वपूर्ण समुद्री रास्ते को पार करने के लिए अपनी बारी का इंतजार कर रहे हैं।

होर्मुज की खाड़ी में जहाज

5 विदेशी जहाज भी शामिल

अधिकारियों ने बताया कि 30 में से 19 जहाजों ने 1 मार्च से 17 जून के बीच इस मार्ग को पार किया था। इन 30 जहाजों में से 17 विदेशी ध्वज वाले जहाज हैं, जिनमें सबसे अधिक 5 जहाज मार्शल आइलैंड्स के झंडे वाले हैं। फारस की खाड़ी में अभी भी भारत से जुड़े 26 जहाज फंसे हुए हैं। इसमें भारतीय ध्वज वाले और भारत आ रहे विदेशी ध्वज वाले दोनों तरह के जहाज शामिल हैं। इन जहाजों में से 3 जहाजों में ऊर्जा/ईंधन (एलपीजी, एलएनजी, तेल आदि) से लदे हैं। 10 जहाज उर्वरक लेकर आ रहे हैं।

आसमान में उड़ती स्वदेशी आंख दुश्मन की गतिविधि पर रखेगी नजर

सभी जरूरी परीक्षणों और मानकों को पूरा किया

ऑपरेशन सिंदूर को ताकत देने वाली 'नेत्रा' अब पूरी तरह ऑपरेशनल हुई

एजेंसी ⏭ बेंगलुरु

देश की सुरक्षा को नई ताकत देने वाली 'नेत्रा' अब पूरी तरह ऑपरेशनल हो गई है। आसमान में उड़ती यह स्वदेशी आंख दुश्मन की हर गतिविधि पर दूर से नजर रख सकती है और भारतीय वायुसेना को रियल-टाइम इंटेलिजेंस उपलब्ध कराती है। भारत के रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के सेंटर फॉर एयर बॉर्न सिस्टम्स (सीएबीएस) में विकसित स्वदेशी टोही और निगरानी विमान नेत्रा अवॉक्स को फाइनल ऑपरेशनल क्लीयरेन्स यानी एफओसी मिल गया। इसका मतलब ये है कि बालाकोट और ऑपरेशन सिंदूर में अहम भूमिका निभाने वाली आसमान में हमारी आंख 'नेत्रा' अब पूरी तरह से वायु सेना को और सशक्त बनाने के लिए तैयार है।

◆ नेत्रा प्रमाणित रूप से वायु सेना के बेड़े में शामिल

मिशन के लिए पूरी तरह तैयार

बेंगलुरु में आयोजित कार्यक्रम में उप वायु सेना प्रमुख अवधेश भारती ने एफओसी सर्टिफिकेट रिसीव किया और नेत्रा को प्रमाणित रूप से वायु सेना के बेड़े में शामिल करने की घोषणा की। एफओसी वह अंतिम चरण होता है।

नेत्रा की खासियत

नेत्रा भारत द्वारा विकसित एक अत्याधुनिक एयरबोर्न अर्ली वार्निंग एंड कंट्रोल (एईडब्ल्यूएंडसी) प्रणाली है। यह हवाई निगरानी एवं कमांड-एंड-कंट्रोल प्रणाली है।

वायु सेना की ताकत बढ़ेगी

एम्ब्रेयर विमान पर बना यह सिस्टम आसमान में दुश्मन की मिसाइलों और विमानों पर नजर रखकर भारतीय वायु सेना की ताकत को कई गुना बढ़ाने का काम करेगा। इस प्रोजेक्ट ने तहत अत्याधुनिक सर्विलांस सेंसर ब्राजीलियाई एम्ब्रेयर विमान पर फिट किए गए हैं। इस सिस्टम का मुख्य काम भारतीय हवाई क्षेत्र में प्रवेश करने वाले दुश्मन के लड़ाकू विमानों, ड्रोनों, मिसाइलों और यहां तक कि समुद्री सतह पर मंडराने वाले खतरों की बहुत पहले ही टोह लेना और अर्ली वॉर्निंग जारी करना है।

राज्य के शीर्ष पाँच विद्यालयों में जिले के तीन पीएमश्री विद्यालयों को मिला स्थान

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सूरजपुर। पीएम श्री विद्यालयों के प्राचार्यों की राज्य स्तरीय प्रशिक्षण कार्यशाला रायपुर में आयोजित की गई, जिसमें जिले की उपलब्धियों ने सूरजपुर को पूरे छत्तीसगढ़ में गौरवान्वित किया है। पीएम श्री नोडल चंद्रपाल कुशवाहा के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यशाला में पीएम श्री प्राथमिक, पूर्व माध्यमिक एवं उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के प्रधान पाठकों एवं प्राचार्यों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। प्रतिभागियों ने विद्यालयों की गुणवत्ता, नवाचार, प्रभावी नेतृत्व तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रभावी क्रियान्वयन जैसे विषयों पर गहन प्रशिक्षण प्राप्त किया। जिले के लिए सर्वाधिक गौरव का विषय यह रहा कि विगत तीन वर्षों के पीएम श्रीविद्यालयों के प्रदर्शन मूल्यांकन में राज्य के शीर्ष पाँच विद्यालयों में सूरजपुर जिले के तीन विद्यालयों ने स्थान प्राप्त किया। इनमें पीएम श्री शासकीय उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय जयनगर, पीएम श्री स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय बतरा तथा पीएम श्री शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय प्रेमनगर सम्मिलित हैं। यह उपलब्धि जिले की उत्कृष्ट शैक्षणिक संस्कृति, दूरदर्शी नेतृत्व एवं समर्पित शिक्षकों के सामूहिक प्रयासों का प्रमाण है।

सफलता सामूहिक प्रयासों का प्रमाण-कलेक्टर

कलेक्टर श्रीमती रेना जमील ने इस उपलब्धि पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि राज्य के शीर्ष पाँच पीएम श्री विद्यालयों में जिले के तीन विद्यालयों का स्थान बनाना समस्त शिक्षक साथियों, प्राचार्यों एवं विद्यार्थियों के सतत परिश्रम का प्रतिफल है। उन्होंने कहा कि यह सफलता सामूहिक प्रयासों का प्रमाण है, किंतु इसे अंतिम लक्ष्य न मानते हुए निरंतर आगे बढ़ने की प्रेरणा के रूप में लिया जाना चाहिए। कलेक्टर ने कहा कि जिला प्रशासन का प्रयास है कि शिक्षा की यह गुणवत्ता केवल चुनिंदा विद्यालयों तक सीमित न रहे, बल्कि जिले के प्रत्येक विद्यालय एवं प्रत्येक विद्यार्थी तक पहुँचे। उन्होंने शिक्षकों एवं प्राचार्यों से आह्वान किया कि वे इसी समर्पण के साथ कार्य करते हुए सूरजपुर को शिक्षा के क्षेत्र में एक आदर्श जिला बनाने में अपना योगदान दें।

शिक्षा विभाग का प्रयास विद्यार्थी को उपलब्ध हो उत्कृष्ट शैक्षणिक वातावरण- डीईओ

जिला शिक्षा अधिकारी अजय कुमार मिश्रा ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि पीएम श्री विद्यालय योजना का मूल उद्देश्य राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 की भावना के अनुरूप विद्यालयों को गुणवत्तापूर्ण, अनुकरणीय एवं भविष्योन्मुखी शिक्षा का केंद्र बनाना है। उन्होंने कहा कि राज्य के शीर्ष पाँच विद्यालयों में जिले के तीन विद्यालयों का चयनित होना यहाँ के शिक्षकों की कठोर मेहनत, प्राचार्यों के प्रभावी नेतृत्व एवं विद्यार्थियों की लगन का प्रत्यक्ष प्रमाण है। श्री मिश्रा ने कहा कि शिक्षा विभाग निरंतर इस दिशा में प्रयासरत है कि जिले के समस्त विद्यालयों में शिक्षण की गुणवत्ता, नवाचार एवं अधोसंरचना को और सुदृढ़ किया जाए, ताकि प्रत्येक विद्यार्थी को उत्कृष्ट शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध हो सके। उन्होंने समस्त प्राचार्यों, प्रधान पाठकों एवं शिक्षकों को इस सफलता के लिए बधाई देते हुए भविष्य में और बेहतर परिणाम देने का आह्वान किया।

सामूहिक समर्पण का प्रतिफल-डीएमसी

जिला मिशन समन्वयक मनोज कुमार साहू ने उपलब्धि पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि जिला प्रशासन के कुशल निर्देशन में आज सूरजपुर केवल उत्कृष्ट परिणामों के कारण नहीं, बल्कि सीखने की संस्कृति, टीमवर्क एवं नवाचार की सोच के कारण पूरे राज्य में अपनी विशिष्ट पहचान बना रहा है। उन्होंने कहा कि यह सफलता प्रत्येक प्राचार्य, प्रधान पाठक, शिक्षक, विद्यार्थी, अभिभावक एवं शिक्षा विभाग के सामूहिक समर्पण का प्रतिफल है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सूरजपुर आने वाले वर्षों में भी शिक्षा के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित करता रहेगा।

नपं जरही में 463 स्वास्थ्य शिविरों में 22,495 मरीजों को मिला स्वास्थ्य लाभ

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सूरजपुर। मुख्यमंत्री स्लम स्वास्थ्य योजना के अंतर्गत जिले के नगर पंचायत जरही द्वारा संचालित स्वास्थ्य शिविरों के माध्यम से शहरी गरीब एवं स्लम बस्तियों में रहने वाले नागरिकों को घर के समीप ही निःशुल्क स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। योजना के सकारात्मक परिणामस्वरूप अब तक हजारों जरूरतमंद नागरिक लाभान्वित हो चुके हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार अब तक कुल 463 स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया गया, जिनमें 22,495 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण एवं उपचार किया गया। प्रति शिविर औसतन 49 मरीजों ने स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ प्राप्त किया। योजना के तहत 5,635 लैब जांचें की गई तथा 19,395 मरीजों को निःशुल्क दवाइयों का वितरण किया गया। गंभीर एवं गैर-संचारी रोगों की समय पर पहचान के उद्देश्य से 536 मरीजों की शुगर जांच की गई, जिनमें 86 मरीज मधुमेह से प्रभावित पाए गए। वहीं 21,603 मरीजों का रक्तचाप परीक्षण किया गया, जिनमें 2,144 मरीज उच्च रक्तचाप एवं शुगर संबंधी समस्याओं से प्रभावित पाए गए। सभी चिन्हित मरीजों को आवश्यक उपचार एवं चिकित्सकीय परामर्श उपलब्ध कराया गया। स्वास्थ्य शिविर में भी स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा नागरिकों का रक्तचाप परीक्षण, शुगर जांच एवं स्वास्थ्य परामर्श प्रदान किया गया। शिविरों के माध्यम से लोगों को समय पर उपचार उपलब्ध होने से स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं की पहचान एवं नियंत्रण में सकारात्मक परिणाम प्राप्त हो रहे हैं।

शिक्षा सुधार हेतु, चट्टीडांड़ विद्यालय में गठित हुई नई शाला प्रबंधन समिति

चन्द्रलेखा अध्यक्ष, सरीफन सारथी बने उपाध्यक्ष

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले के शासकीय प्राथमिक शाला चट्टीडांड़ में शासन द्वारा जारी नवीन दिशा-निदेर्शों के अनुरूप शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए शाला प्रबंधन समिति के गठन हेतु पालक सभा का आयोजन किया गया। सभा की अध्यक्षता वरिष्ठ पालक प्रतिनिधि बालभद्र नायक ने की, जबकि बैठक का संचालन प्रधान पाठक गौतम शर्मा द्वारा किया गया। बैठक में उपस्थित पालकों, शिक्षकों एवं समुदाय के प्रतिनिधियों को शिक्षा का अधिकार अधिनियम तथा शाला प्रबंधन समिति की नवीन संरचना, गठन प्रक्रिया, अधिकारों, दायित्वों एवं कार्यप्रणाली की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। इस अवसर पर प्रधान पाठक गौतम शर्मा ने कहा कि शाला प्रबंधन समिति विद्यालय और समुदाय के मध्य एक सशक्त सेतु के रूप में कार्य करती है, जो विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, आधारभूत सुविधाओं के विकास तथा विद्यालय के समग्र उन्नयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने बताया कि नवीन दिशा निदेर्शों के तहत समिति में अभिभावकों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की गई है। साथ ही महिलाओं, सामाजिक एवं आर्थिक रूप से वंचित वर्गों के बच्चों के अभिभावकों को प्रतिनिधित्व देकर समिति को अधिक समावेशी और जवाबदेह बनाया गया है। समिति विद्यालय के शैक्षणिक, प्रशासनिक एवं विकासात्मक कार्यों की निगरानी करते हुए बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए सतत प्रयास करेगी। सभा में सर्वसम्मति से शाला प्रबंधन समिति के सदस्यों का चयन किया गया, जिनमें श्रीमती चन्द्रलेखा, सरीफन सारथी, बालभद्र नायक, राजकुमार बाजपेई, श्रीमती लीलावती, श्रीमती ननकी, श्रीमती सविता, श्रीमती नीलमा, श्रीमती आशा, श्रीमती भारती, राजेश सारथी, श्रीमती नैयद सुल्ताना, श्रीमती मंजू कुजूर, सुमित सारथी तथा सदस्य सचिव के रूप में प्रधान पाठक गौतम शर्मा शामिल हैं। समिति गठन के उपरांत आयोजित प्रथम बैठक में सर्वसम्मति से श्रीमती चन्द्रलेखा को शाला प्रबंधन समिति का अध्यक्ष तथा सरीफन सारथी को उपाध्यक्ष निर्वाचित किया गया। उपस्थित सदस्यों ने दोनों पदाधिकारियों का पुष्पगुच्छ एवं तालियों की गड़गड़ाहट के साथ स्वागत करते हुए सफल कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं। बैठक के अंत में नवगठित समिति के सभी सदस्यों ने विद्यालय में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, विद्यार्थियों की शत-प्रतिशत उपस्थिति, स्वच्छ एवं सुरक्षित शैक्षणिक वातावरण तथा समुदाय की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने हेतु सामूहिक रूप से कार्य करने का संकल्प लिया। पालकों एवं ग्रामीणों ने समिति गठन का स्वागत करते हुए इसे विद्यालय के सर्वांगीण विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण एवं सकारात्मक पहल बताया।

अशिक्षा एवं निरक्षरता हमारे विकास में सबसे बड़ी बाधक

ग्राम सभा में प्रतिनिधियों ने ली पंचायत को शत-प्रतिशत साक्षर बनाने की शपथ

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सूरजपुर। कलेक्टर श्रीमती रेना जमील के मार्गदर्शन एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत के निर्देशन में एक विशेष ग्राम सभा का आयोजन किया गया, जिसमें पंचायत प्रतिनिधियों एवं ग्रामवासियों में साक्षरता को लेकर काफी उत्साह देखने को मिला। उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम₹ अंतर्गत ग्राम सभा में उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं असाक्षरों ने ग्राम पंचायत को पूर्ण रूप से साक्षर बनाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर ग्राम पंचायत के सरपंच, सचिव, रोजगार सहायक, मेट, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका, मितानिन, स्वास्थ्य कार्यकर्ता, स्कूल शिक्षक एवं उल्लास प्रभारी ने उपस्थित ग्रामीणों को साक्षरता की शपथ दिलाई। उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि अशिक्षा एवं निरक्षरता हमारे विकास में सबसे बड़ी बाधक है। यदि गांव का सर्वांगीण विकास करना है, तो पूरे गांव का साक्षर होना अत्यंत आवश्यक है। ग्राम सभा में जल संरक्षण एवं पर्यावरण समृद्धि के लिए ₹पेड़ लगाओ अभियान₹ पर भी सकारात्मक चर्चा हुई। इसके साथ ही प्रधानमंत्री आवास योजना के संबंध में विस्तृत चर्चा करते हुए सभी पात्र हितग्राहियों की सूची उच्च कार्यालय को प्रेषित की गई। उपस्थित पंचगण एवं ग्रामवासियों ने शिक्षा की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि समय के साथ सभी को शिक्षा की मुख्यधारा से जुड़कर अपने ग्राम को बेहतर बनाना है, और इसके लिए साक्षर होना नितांत आवश्यक है। ग्राम सभा में जागरूक ग्रामीणों ने विशेष रूप से इस बात पर बल दिया कि आजकल बढ़ रहे डिजिटल फ्रॉड एवं ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचने के लिए भी अक्षरों एवं अंकों का ज्ञान अत्यंत आवश्यक है। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों एवं महिला स्व-सहायता समूह की सदस्यों ने साक्षरता अभियान के आंकड़ों की जानकारी दी तथा बताया कि उल्लास सर्वेक्षण के दौरान चिन्हित शेष असाक्षरों को कार्यक्रम के तहत आयोजित परीक्षा में सम्मिलित कराकर पूर्ण साक्षर बनाया जाएगा। ग्राम सभा में उल्लास कार्यक्रम के वाचन में ब्लॉक परियोजना अधिकारी एवं स्वयंसेवकों की सक्रिय सहभागिता रही।

स्कूल में गिरी आकाशीय बिजली, चार छात्राएं झुलसी

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले के विकासखंड प्रतापपुर के माध्यमिक शाला माझापारा बैकोना में शुक्रवार दोपहर में उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब कक्षाओं में पढ़ाई कर रहे बच्चों के बीच अचानक आकाशीय बिजली आ गिरी। जिसकी चपेट में आकर चार छात्राएं झुलस गई। जिन्हें उपचारार्थ प्रतापपुर अस्पताल में दाखिल कराया गया है। बताया गया है कि घटना के बाद पूरे विद्यालय में चीख-पुकार मच गई और शिक्षक तत्काल बच्चों को सुरक्षित बाहर निकालने में जुट गए। आकाशीय बिजली की चपेट में 13 वर्षीय मनशीला व राधिका, 14 वर्षीया नेहा व रीना पैकरा आहत हुई है। घटना की सूचना पर डायल 112 एंबुलेंस तत्काल मौके पर पहुंची जिसके माध्यम से सभी आहत छात्राओं को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र प्रतापपुर पहुंचाया गया। बीएमओ डॉ. अजीत दीवान के निर्देशन में ड्यूटी पर मौजूद डॉ. आफताब खान, डॉ. विकास गुप्ता सहित स्वास्थ्य विभाग की टीम ने छात्राओं का तत्काल उपचार शुरू किया। चिकित्सकों के अनुसार सभी छात्राओं की स्थिति सामान्य है और जल्द ही उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी जाएगी। इस हादसे से स्कूल के अन्य बच्चे सहमे हुए है। विशेषज्ञों का मानना है कि जिन क्षेत्रों में आकाशीय बिजली की घटनाएं अधिक होती हैं, वहां स्कूलों और सार्वजनिक भवनों में वैज्ञानिक सुरक्षा उपायों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए

सेवा सेतु केंद्र में संध्या के वर्षों पुरानी समस्या का हुआ समाधान

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सूरजपुर। राज्य शासन द्वारा डिजिटल सुशासन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शुरू किए गए सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से आम नागरिकों को विभिन्न शासकीय सेवाएं सरल, पारदर्शी एवं समयबद्ध तरीके से उपलब्ध कराई जा रही हैं। जिला मुख्यालय के तहसील कार्यालय परिसर में संचालित सेवा सेतु केंद्र के माध्यम से छात्रा संध्या देवांगन को भी वर्षों पुरानी समस्या से राहत मिली है। संध्या ने बताया कि वर्ष 2017 में उनका आधार कार्ड गुम हो गया था। आधार में मोबाइल नंबर लिंक नहीं होने के कारण उन्हें नया आधार कार्ड प्राप्त करने में लगातार कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। कई प्रयासों के बावजूद समस्या का समाधान नहीं हो पा रहा था सेवा सेतु केंद्र पहुंचकर उन्होंने अपनी समस्या बताई, जिस पर केंद्र के कर्मचारियों द्वारा आवश्यक मार्गदर्शन एवं तकनीकी सहायता प्रदान की गई। समुचित प्रक्रिया के माध्यम से उनकी समस्या का समाधान करते हुए उन्हें आधार कार्ड उपलब्ध कराया गया। उल्लेखनीय हैं कि सेवा सेतु केंद्र के माध्यम से नागरिकों को एक ही स्थान पर विभिन्न शासकीय सेवाओं का लाभ आसानी से मिल रहा है। इससे समय और श्रम दोनों की बचत हो रही है तथा सरकारी सेवाओं तक लोगों की पहुंच और अधिक सुगम हुई है। सेवा सेतु पोर्टल के अंतर्गत वर्तमान में 441 से अधिक शासकीय सेवाएं एकीकृत रूप से उपलब्ध हैं, जिनमें जाति, आय एवं निवास प्रमाण पत्र, राशन कार्ड, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, जन्म एवं मृत्यु प्रमाण पत्र, विवाह पंजीयन, राजस्व प्रकरणों से संबंधित सेवाएं, नाम परिवर्तन के लिए राजपत्र प्रकाशन सहित अनेक नागरिक सेवाएं शामिल हैं।

मध्यस्थता की गोपनीयता बनाए रखने पर सचिव डीएलएसए ने दिया विशेष बल

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सोनभद्र। उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ की कार्ययोजना वर्ष 2026-27 के क्रियान्वयन के क्रम में आज दिनांक 24 जून 2026 को प्रातः 09:00 बजे एडीआर भवन, जनपद न्यायालय सोनभद्र में सभी मध्यस्थ अधिवक्ताओं की मासिक बैठक आयोजित की गई। बैठक में श्रीमती निर्मला शर्मा, रमेश राम पाठक, श्रीमती बिन्दू यादव, अमरेश चन्द्र पाण्डेय, मुनीराज शाह, राधेश्याम पाण्डेय, सेराज अख्तर खां, अनिल कुमार सिंह, प्रभात कुमार मिश्रा, श्रीमती चन्द्रावती जायसवाल, आस मोहम्मद अली, मो. फारूख तथा श्रीमती पूनम सिंह सहित अन्य मध्यस्थ अधिवक्ता उपस्थित रहे। बैठक को संबोधित करते हुए राहुल, सिविल जज (सीनियर डिवीजन)/सचिव (पूर्णकालिक), जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सोनभद्र ने मध्यस्थता प्रक्रिया की गोपनीयता के महत्व पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि मध्यस्थता न्यायालयीन कार्यवाही से भिन्न एक पूर्णतः गोपनीय प्रक्रिया है, जिसमें पक्षकारों के मध्य सौहार्दपूर्ण समाधान का प्रयास किया जाता है। उन्होंने निर्देशित किया कि यदि मध्यस्थता सफल होती है तो केवल समझौते की सूचना न्यायालय को दी जाए तथा यदि असफल होती है तो मात्र एक पंक्ति की रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए। मध्यस्थता के दौरान हुई चर्चा, प्रस्ताव अथवा वाताओं का किसी भी स्तर पर खुलासा नहीं किया जाना चाहिए, क्योंकि इससे मध्यस्थता प्रक्रिया की मूल भावना एवं गोपनीयता प्रभावित होती है। बैठक में उपस्थित मध्यस्थ अधिवक्ताओं को उपभोक्ता अधिकारों एवं उपभोक्ता संरक्षण संबंधी कानूनों का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश भी दिए गए। उन्हें आमजन को उपभोक्ता फोरम एवं शिकायत निवारण तंत्र के प्रति जागरूक करने तथा उपभोक्ताओं को उनके अधिकारों के प्रभावी उपयोग हेतु प्रेरित करने को कहा गया, ताकि उपभोक्ता अपने साथ होने वाली किसी भी प्रकार की अनियमितता के विरुद्ध विधिक उपायों का लाभ उठा सकें साथ ही वैवाहिक विवादों के मुकदमे पूर्व (प्री-लिटिगेशन) स्तर पर निस्तारण को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया गया। सचिव डीएलएसए ने बताया कि वैवाहिक एवं पारिवारिक विवादों का समाधान न्यायालय में वाद दायर करने से पूर्व मध्यस्थता के माध्यम से कराया जा सकता है, जिससे समय, धन एवं मानसिक तनाव की बचत होती है। मध्यस्थता केंद्र पर उपस्थित लोगों को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा संचालित प्री-लिटिगेशन सेवाओं की उपयोगिता एवं लाभों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। इसके उपरांत आज ही संयुक्त बोर्ड विजिटर द्वारा जिला कारागार, सोनभद्र का त्रैमासिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान माननीय जनपद न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक, श्री पंकज न्यायिक अधिकारी/मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, राहुल सिविल जज (सीनियर डिवीजन)/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अरुण कुमार मिश्रा जेल अधीक्षक सहित अन्य अधिकारी, सदस्य एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। निरीक्षण के समय कारागार में कुल 785 बंदी निरुद्ध पाए गए, जिनमें 603 विचाराधीन एवं 182 सिद्धदोष बंदी शामिल थे। संयुक्त निरीक्षण टीम द्वारा कारागार स्थित पाकशाला, पाठशाला, नव निर्मित महिला बैरक, पुरुष बैरक, चिकित्सालय तथा लीगल एड क्लीनिक का गहन निरीक्षण किया गया। अधिकारियों ने बंदियों से संवाद कर उनके स्वास्थ्य, भोजन, स्वच्छता एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की। निरीक्षण के दौरान साफ-सफाई, सुरक्षा एवं बंदियों को उपलब्ध कराई जा रही विधिक सहायता व्यवस्थाओं का भी अवलोकन किया गया। निरीक्षण में चिन्हित कमियों को दूर करने हेतु जेल प्रशासन को आवश्यक निर्देश दिए गए। उक्त जानकारी राहुल, सिविल जज (सीनियर डिवीजन)/सचिव (पूर्णकालिक), जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सोनभद्र द्वारा प्रदान की गई।

सम्पादकीय

मानसून फिर सक्रिय होने के बावजूद सतर्कता जरूरी

देश के अधिकांश हिस्सों में मानसून ने कुछ दिनों के विराम के बाद फिर रफ्तार पकड़ ली है। भारतीय मौसम विभाग के अनुसार मानसून की प्रगति अब सामान्य दिशा में आगे बढ़ रही है और आने वाले दिनों में कई राज्यों में अच्छी वर्षा की संभावना है। यह खबर किसानों के लिए राहत लेकर आई है, क्योंकि खरीफ का सबसे महत्वपूर्ण दौर इसी समय होता है। हालांकि राहत के साथ-साथ सावधानी की भी आवश्यकता है। मौसम वैज्ञानिक इस वर्ष प्रशांत महासागर में विकसित हो रही अल नीनो जैसी परिस्थितियों पर नजर बनाए हुए हैं, जो मानसून के वितरण और वर्षा के स्वरूप को प्रभावित कर सकती है। हमारी कृषि आज भी काफी हद तक मानसून पर निर्भर है। देश के लगभग आधे कृषि क्षेत्र में सिंचाई की पर्याप्त व्यवस्था नहीं है और वहां वर्षा ही खेती का मुख्य आधार है। ऐसे में मानसून का समय पर पहुंचना और नियमित वर्षा होना किसानों की आय, उत्पादन और ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। पिछले कुछ वर्षों का अनुभव बताता है कि केवल कुल वर्षा का आंकड़ा पर्याप्त नहीं होता। असली चुनौती वर्षा के वितरण में होती है। कई बार पूरे सीजन में सामान्य वर्षा दर्ज होती है, लेकिन कुछ क्षेत्रों में अत्यधिक बारिश और कुछ क्षेत्रों में लंबे सूखे अंतराल देखने को मिलते हैं। यही स्थिति फसलों के लिए सबसे अधिक नुकसानदायक साबित होती है। अल नीनो का प्रभाव भी इसी संदर्भ में महत्वपूर्ण हो जाता है। सामान्यतः अल नीनो की स्थिति में प्रशांत महासागर के मध्य और पूर्वी भाग का समुद्री तापमान बढ़ जाता है, जिससे वैश्विक मौसम चक्र प्रभावित होता है। भारत में इसका संबंध अक्सर कमजोर या असमान मानसून से जोड़ा जाता रहा है। हालांकि हर अल नीनो वर्ष में सूखा पड़े, यह जरूरी नहीं है, लेकिन इसके कारण मानसून की अनिश्चितता बढ़ जाती है। इसलिए किसानों के लिए यह समय केवल बारिश का इंतजार करने का नहीं, बल्कि जोखिम प्रबंधन की तैयारी करने का भी है। इसलिए किसान मौसम आधारित खेती को प्राथमिकता दें। खेत में बुवाई, सिंचाई, उर्वरक प्रयोग और कीटनाशक छिड़काव स्थानीय मौसम की जानकारी के आधार पर ही करें। यदि किसी क्षेत्र में भारी वर्षा की संभावना हो तो उर्वरकों और रसायनों का प्रयोग टालना अधिक लाभकारी होगा। दूसरी महत्वपूर्ण बात जल प्रबंधन की है। मानसून के शुरुआती दौर में होने वाली अच्छी बारिश का अधिकतम संग्रह किया जाना चाहिए। खेत तालाब, मेड़बंदी, वर्षा जल संचयन और सूक्ष्म सिंचाई तकनीकों का उपयोग भविष्य में पड़ने वाले सूखे अंतराल से बचाने में मदद कर सकता है। एक और महत्वपूर्ण पहलू फसल बीमा है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना जैसी व्यवस्थाओं का लाभ उठाना किसानों के लिए सुरक्षा कवच का काम कर सकता है। अक्सर किसान इसे अतिरिक्त खर्च समझकर नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन प्राकृतिक आपदा की स्थिति में यही सुरक्षा आर्थिक संकट को कम कर सकती है। सरकार और कृषि विभागों की भी जिम्मेदारी है कि वे किसानों तक समय पर और स्थानीय स्तर की मौसम जानकारी पहुंचाएं। केवल पूर्वानुमान जारी करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसके आधार पर कृषि सलाह भी उपलब्ध करानी चाहिए। कृषि विस्तार सेवाओं को और अधिक सक्रिय बनाने की आवश्यकता है ताकि किसान बदलते मौसम के अनुसार अपने निर्णय ले सकें। इसलिए किसान बारिश का स्वागत करें, लेकिन तैयारी और सतर्कता को भी उतनी ही प्राथमिकता दें। इससे ही बेहतर उत्पादन और अधिक आय हासिल हो सकती है।

प्रेम के मुखौटे के पीछे भरोसे की हत्या

मंथन

कांतिलाल मांडोत

भारतीय समाज में विवाह को केवल दो व्यक्तियों का नहीं बल्कि दो परिवारों का मिलन माना जाता है। विवाह से पहले होने वाली सगाई और अन्य रस्में भविष्य के जीवन की नींव मानी जाती हैं। ऐसे में यदि कोई व्यक्ति किसी रिश्ते को स्वीकार नहीं करना चाहता तो उसके पास उसे स्पष्ट रूप से अस्वीकार करने का अधिकार है। आधुनिक समाज में व्यक्तिगत स्वतंत्रता और अपनी पसंद के अनुसार जीवनसाथी चुनने का अधिकार भी स्वीकार किया जाता है। लेकिन किसी रिश्ते से बाहर निकलने का रास्ता छल और हिंसा नहीं हो सकता। रिश्तों में पारदर्शिता, नैतिक शिक्षा, पारिवारिक संवाद और कानून का भय इन सभी तत्वों को मजबूत करना होगा।

महाराष्ट्र के पुणे से सामने आए एक चर्चित हत्याकांड ने पूरे देश को झकझोर दिया है। जिस रिश्ते को विश्वास और जीवनभर के साथ का आधार माना जाता है, उसी रिश्ते के भीतर कथित साजिश और हत्या की कहानी ने समाज को कई कठिन सवालों के सामने खड़ा कर दिया है। एक ओर शादी की तैयारियां चल रही थीं, करोड़ों रुपये खर्च कर भव्य आयोजन की योजनाएं बनाई जा रही थीं। दूसरी ओर रिश्तों की सतह के नीचे अविश्वास और दूसरे संबंधों का ऐसा जाल बुना जा रहा था, जिसने अंततः एक युवा कारोबारी की जान ले ली। पुलिस जांच के अनुसार मंगेतर और उसके कथित प्रेमी पर युवक की हत्या की साजिश रचने का आरोप है।

मामला केवल एक आपराधिक घटना भर नहीं है, बल्कि यह बदलते सामाजिक परिवेश में रिश्तों की गंभीर चुनौतियों को भी उजागर करता है। आज समाज का बड़ा वर्ग इस घटना को केवल हत्या के रूप में नहीं बल्कि भरोसे की हत्या के रूप में देख रहा है। भारतीय समाज में विवाह को केवल दो व्यक्तियों का नहीं बल्कि दो परिवारों का मिलन माना जाता है। विवाह से पहले होने वाली सगाई और अन्य रस्में भविष्य के जीवन की नींव मानी जाती हैं। ऐसे में यदि कोई व्यक्ति किसी रिश्ते को स्वीकार नहीं करना चाहता तो उसके पास उसे स्पष्ट रूप से अस्वीकार करने का अधिकार है। आधुनिक समाज में व्यक्तिगत स्वतंत्रता और अपनी पसंद के अनुसार जीवनसाथी चुनने का अधिकार भी स्वीकार किया जाता है। लेकिन किसी रिश्ते से बाहर निकलने का रास्ता छल और हिंसा नहीं हो सकता। यही कारण है कि पुणे की इस घटना ने लोगों को भीतर तक विचलित किया है। सवाल केवल यह नहीं है कि एक युवक की मौत कैसे हुई बल्कि यह भी है कि क्या हमारे समाज में संवाद की जगह छल ने ले ली है। क्या सच बोलने का साहस कम होता जा रहा है। क्या लोग अपने निर्णयों की जिम्मेदारी लेने के बजाय गलत रास्ते चुनने लगे हैं। पिछले कुछ वर्षों में देश के विभिन्न हिस्सों से ऐसे अनेक मामले सामने आए हैं, जिनमें प्रेम संबंधों विवाहेतर संबंधों या निजी रिश्तों के विवादों ने हिंसक रूप ले लिया। कभी पति या पत्नी की हत्या की खबर आती है तो कभी प्रेमी या प्रेमिका को रास्ते से हटाने की साजिश का खुलासा होता है। सोशल मीडिया और डिजिटल संचार के युग में रिश्ते बनना आसान हुआ है लेकिन उन्हें निभाने की जिम्मेदारी और ईमानदारी का महत्व भी उतना ही बढ़ गया है। विशेषज्ञ मानते हैं कि समाज में बढ़ती भौतिकता और त्वरित संतुष्टि की मानसिकता ने भी रिश्तों को प्रभावित किया है। बहुत से लोग रिश्तों को एक प्रतिबद्धता के बजाय सुविधा के रूप में देखने लगे हैं। जब तक सब कुछ अनुकूल रहता है, तब तक संबंध चलते हैं लेकिन कठिन परिस्थितियां आते ही कई लोग जिम्मेदारी से बचने का प्रयास करते हैं। यह प्रवृत्ति चिंता का विषय है क्योंकि किसी भी स्वस्थ समाज की बुनियाद भरोसे और नैतिकता पर टिकी होती है। धोखाधड़ी आज के समय में केवल आर्थिक अपराध तक सीमित नहीं रह गई है। भावनात्मक धोखाधड़ी भी तेजी से बढ़ती दिखाई दे रही है। कई बार लोग एक व्यक्ति के साथ भविष्य के सपने दिखाते हैं जबकि समानांतर रूप से किसी और संबंध में

भी जुड़े रहते हैं। जब सच्चाई सामने आती है तो उसके परिणाम केवल व्यक्तिगत नहीं होते बल्कि पूरे परिवार को प्रभावित करते हैं। माता-पिता भाई-बहन और अन्य परिजन भी मानसिक आघात से गुजरते हैं। इस घटना ने अवैध संबंधों और बढ़ते व्यभिचार पर भी बहस छेड़ दी है। समाजशास्त्रियों का मानना है कि किसी भी रिश्ते में पारदर्शिता सबसे महत्वपूर्ण तत्व है। यदि दो लोगों के बीच भावनात्मक जुड़ाव समाप्त हो गया है या कोई अन्य संबंध बन चुका है तो उसे ईमानदारी से स्वीकार करना चाहिए। झूठ और दोहरी जिंदगी अंततः बड़े संकट को जन्म देती है। जब भावनाएं स्वार्थ और छल से संचालित होने लगती हैं तो परिणाम विनाशकारी हो सकते हैं। सोशल मीडिया ने भी रिश्तों के स्वरूप को बदल दिया है। आज लोग अपने निजी जीवन की चमकदार तस्वीरें दुनिया के सामने प्रस्तुत करते हैं, लेकिन वास्तविकता कई बार उससे बिल्कुल अलग होती है। डिजिटल दुनिया में बनाई गई छवि और वास्तविक जीवन के बीच का अंतर कई बार गंभीर मानसिक और सामाजिक समस्याओं को जन्म देता है। पुणे मामले में भी जांच एजेंसियों ने सोशल मीडिया चैट और डिजिटल साक्ष्यों को महत्वपूर्ण माना है। इससे यह भी स्पष्ट होता है कि आधुनिक अपराधों की जांच में तकनीक की भूमिका कितनी बढ़ चुकी है। समाज के सामने सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि नैतिक मूल्यों को कैसे मजबूत किया जाए। केवल कानून अपराध होने के बाद कार्रवाई कर सकता है, लेकिन अपराध होने से पहले उसे रोकने का काम परिवार समाज और शिक्षा व्यवस्था को करना होगा। बच्चों और युवाओं को यह सिखाना आवश्यक है कि किसी भी रिश्ते की नींव ईमानदारी और सम्मान पर टिकी होती है। यदि किसी संबंध में असहमति है तो उसका समाधान संवाद से होना चाहिए, न कि छल या हिंसा से। परिवारों की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। आज व्यस्त जीवनशैली के कारण परिवारों के बीच संवाद कम होता जा रहा है। कई युवा अपनी भावनात्मक समस्याओं और व्यक्तिगत संघर्षों को साझा नहीं कर पाते। परिणामस्वरूप वे गलत निर्णयों की ओर बढ़ जाते हैं। यदि परिवारों में खुला संवाद और विश्वास का वातावरण हो तो अनेक संकटों को समय रहते रोका जा सकता है। कानून व्यवस्था के स्तर पर भी ऐसे मामलों में त्वरित और निष्पक्ष जांच जरूरी है ताकि अपराधियों को स्पष्ट संदेश मिले कि किसी भी परिस्थिति में हिंसा स्वीकार्य नहीं है। साथ ही समाज को भी यह समझना होगा कि प्रेम का अर्थ अधिकार नहीं बल्कि सम्मान है। यदि कोई रिश्ता नहीं निभ सकता तो उसे समाप्त किया जा सकता है, लेकिन किसी व्यक्ति के जीवन को समाप्त करने का अधिकार किसी को नहीं है। पुणे की यह घटना एक चेतावनी है कि आधुनिकता के साथ यदि नैतिकता और जिम्मेदारी का संतुलन नहीं रखा गया तो समाज गंभीर संकटों का सामना करेगा। रिश्तों में बढ़ता अविश्वास परिवार संस्था को कमजोर कर सकता है। प्रेम यदि ईमानदारी से जुड़ा हो तो जीवन को संवारता है लेकिन यदि उसमें छल और स्वार्थ प्रवेश कर जाए तो वही प्रेम विनाश का कारण बन सकता है। आज आवश्यकता केवल इस एक घटना पर चर्चा करने की नहीं बल्कि उन सामाजिक कारणों को समझने की है जो ऐसे अपराधों को जन्म देते हैं। रिश्तों में पारदर्शिता, नैतिक शिक्षा, पारिवारिक संवाद और कानून का भय इन सभी तत्वों को मजबूत करना होगा। तभी समाज विश्वास और मानवीय मूल्यों की उस राह पर आगे बढ़ सकेगा, जहां प्रेम जीवन का आधार बने, न कि किसी त्रासदी की वजह।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

दिवस विशेष

कृष्ण प्रताप सिंह

आपातकाल : इंदिरा गांधी की क्षमायाचना और उसके बाद...

इक्यावन साल पहले 1975 में वह आज का ही दिन था, 25 जून का, जब तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की सलाह पर राष्ट्रपति फखरुद्दीन अली अहमद ने संविधान के अनुच्छेद 352 के तहत देशव्यापी आपातकाल की घोषणा कर दी थी। इस घोषणा के बाद सारे विपक्षी नेताओं को तुरत-फुरत जेल में डाल दिया गया था, अभिव्यक्ति की आजादी समेत नागरिकों के सारे मौलिक अधिकार छीन लिए गए थे और इन कदमों के विरुद्ध प्रतिरोध का कोई स्वर न उठ सके, इसके लिए अखबारों पर सख्त सेंसर लगा दिया गया था। ज्ञातव्य है कि उन दिनों अखबार ही लोगों के लिए समाचारों के मुख्य स्रोत हुआ करते थे। यह आपातकाल 21 मार्च,1977 तक कुल मिलाकर लगभग 21 महीनों तक लागू रहा और इंदिरा गांधी ने उसे तब भी नहीं हटाया, जब इस मुगालते में लोकसभा चुनाव करा दिए कि 'आपातकाल की उपलब्धियों से खुश' मतदाता उनको आसानी से जीत दिला देंगे। उनकी उम्मीद के विपरीत इस चुनाव में उनकी करारी हार हुई तो प्रधानमंत्री पद से अपने इस्तीफे से पहले उन्होंने यह सोचकर राष्ट्रपति से आपातकाल हटाने की सिफारिश कर दी कि उनके इस्तीफे के बाद भी वह लागू रह गया तो नई सरकार अपनी बारी पर उसके प्रावधानों को उनके और उनकी पार्टी के खिलाफ इस्तेमाल करना शुरू कर देगी। फिर 23 जनवरी,1978 को अनेक प्रेक्षकों को चकित करते हुए आपातकाल के दौरान हुए अत्याचारों, ज्यादतियों व गलतियों के लिए सार्वजनिक रूप से और बिना शर्त माफी मांग ली। इसके लिए उन्होंने उन दिनों महाराष्ट्र में हो रहे विधानसभा चुनाव के सिलसिले में यवतमाल में अपनी नवगठित पार्टी के प्रत्याशी के समर्थन में आयोजित सभा को चुना। अलबत्ता, इस सभा में भी उन्होंने आपातकाल को उस दौर की बीमारियों के इलाज के लिए दी गई ऐसी दवा बताया, जो निस्संदेह सुखद नहीं थी। लेकिन उसके बाद?

उन्हीं के शब्दों में कहें तो 'उसके बाद नए चुनाव कराने में हमने सभी लोकतांत्रिक सिद्धांतों का पालन किया। हमसे हुई गलतियों को लेकर नाराज देश की जनता ने हमारे खिलाफ फैसला दिया तो हमने उसके फैसले को भी विनम्रता से स्वीकार किया।' महाराष्ट्र विधानसभा के चुनावों के साथ ही कर्नाटक विधानसभा के भी चुनाव हुए थे, जिसमें इंदिरा गांधी की पार्टी को पूर्ण बहुमत मिला था और उसने देवराज अर्स के नेतृत्व में सरकार बनाई थी। बहरहाल, श्रीमती गांधी द्वारा मांगी गई माफ़ी की पृष्ठभूमि पर विचार करें तो केंद्र की सत्ता से उनकी बेदखली के बाद नई-नई बनी जनता पार्टी की सरकार ने उन दिनों आपातकाल की ज्यादतियों की जांच के लिए शाह नामक कमीशन गठित कर रखा था और सरकारी समाचार माध्यमों से उसकी कार्रवाई का भरपूर प्रचार कराकर उनके विरुद्ध फैले जनाक्रोश की उम्र लम्बी करने में लगी हुई थी। ऐसे में उनका यवतमाल में माफी मांगना सिर्फ महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में जय-पराजय से जुड़ा हुआ मामला नहीं था। उससे उनकी देश भर में अपनी राजनीतिक जमीन वापस पाने की एक बड़ी चुनावी रणनीति जुड़ी हुई थी। इस रणनीति ने देश की राजनीति में उनकी जैसी वापसी कराई, वह भारतीय राजनीति के इतिहास का एक बेहद दिलचस्प अध्याय है। प्रतिद्वंद्वी जनता पार्टी की टूट-फूट का लाभ उठाकर उन्होंने लोकसभा के 1980 के मध्यावधि चुनाव में जिस तरह वापसी की, उसे दुनिया के सबसे बड़े राजनीतिक कमबैक में से एक माना जाता है। फरवरी, 1978 में कर्नाटक विधानसभा का चुनाव जीतने के कुछ ही महीनों बाद नवंबर 1978 में उन्होंने इसी राज्य की चिकमगलूर सीट से लोकसभा का उपचुनाव जीतकर देश की सत्ता में अपनी वापसी की भूमिका लिखनी शुरू की तो जनता पार्टी की सरकार ने उनको घेरने के चक्कर में विशेषाधिकार हनन के आरोप में उन्हें लोकसभा से निष्कासित कर जेल भेज दिया। तब उन्होंने इस कार्रवाई को जनता के सामने राजनीतिक प्रतिशोध के रूप में पेश किया और उसकी सहानुभूति प्राप्त कर ली। फिर तो 1980 के लोकसभा चुनाव में उनकी पार्टी ने 351 सीटें जीतकर प्रचंड बहुमत हासिल किया और वे फिर से देश की प्रधानमंत्री बन गईं। 1977 की हार के बाद वे पल भर भी निराश नहीं बैठी थीं। जुलाई 1977 में बिहार के बेलछी गांव में दलितों के साथ हिंसा हुई तो वे बाढ़ के बावजूद पानी भरे रास्ते को पार करने के लिए हाथी पर सवार होकर वहां उनके आंसू पोंछने पहुंची थीं। उसके बाद पीड़ितों के प्रति दिखाई गई इस गहरी सहानुभूति की तस्वीरों ने देश की गरीब और शोषित जनता के बीच उनकी 'गरीबों की मसीहा' वाली छवि को दोबारा जिंदा कर दिया था।

(लेखक स्वतंत्र स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

स्वतंत्रता दिवस स्व नियंत्रण का पर्व

संकलित

दर्शन

स्वाधीनता अर्थात स्व के अधीन होने का पर्व। स्व नियंत्रण का पर्व, जहां पर स्व की इच्छाओं की प्रधानता हो, स्वयं पर स्वयं का नियंत्रण हो। वास्तव में भारत पर भारत का ही नियंत्रण हो सकता है। इस विशाल, समृद्ध, संस्कार और संस्कृति से युक्त राष्ट्र पर नियंत्रण करने की कोशिश तो बहुत से राष्ट्रों द्वारा की गई, परंतु भारत विशाल हृदय और समृद्ध विरासत के साथ सदैव खड़ा रहा। हिमालय जैसे विशाल हृदय, गंगा जैसी पावनता व वेदों के विशाल ज्ञान के भंडार के साथ जीवंत व जाग्रत बना रहा और आगे भी रहेगा। भारत ने महाभारत देखी, भारत ने राम-भरत का प्रेम देखा, कृष्ण-सुदामा की मित्रता देखी। वर्तमान भारत विश्व पटल पर अपना उत्कृष्ट स्थान रखता है। अब हम एक ऐसे भारत की ओर बढ़ें, जहां नक्शे में हर भारतीय के हस्ताक्षर हों। ऐसा भारत, जहां भारत माता की रक्षा के लिए बलिदान देने वाले और धरती के गर्भ से अन्न पैदा करने के लिए पसीना बहाने वालों के लिए उपयुक्त स्थान हो। राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त कहते हैं, 'सब तीर्थों का एक तीर्थ यह, हृदय पवित्र बना लें हम, आओ यहां अजातशत्रु बन, सबको मित्र बना लें हम। भारत माता का मंदिर यह, समता का संवाद जहां, सबका शिव कल्याण यहां है, पावें सभी प्रसाद यहां।' ऐसे भाव जहां हों, वह राष्ट्र केवल गौरव का अधिकारी है। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने भी इसीलिए कहा, 'भारत जमीन का टुकड़ा नहीं, जीता जागता

भगवान को धन की कोई आवश्यकता नहीं

संकलित

प्रेरणा

एक सेठ के पास एक व्यक्ति काम करता था। सेठ उस व्यक्ति पर बहुत विश्वास करता था। वो व्यक्ति भगवान का बहुत बड़ा भक्त था। वह सदा भगवान के चिंतन भजन कीर्तन स्मरण सत्संग आदि का लाभ लेता रहता था। एक दिन उस ने सेठ से श्री जगन्नाथ धाम यात्रा करने के लिए कुछ दिन की छुट्टी मांगी सेठ ने उसे छुट्टी देते हुए कहा- भाई! मैं तो हूं संसारी आदमी हमेशा व्यापार के काम में व्यस्त रहता हूं, तुम जा ही रहे हो तो यह लो 100 रुपए मेरी ओर से श्री जगन्नाथ प्रभु के चरणों में समर्पित कर देना। भक्त सेठ से सौ रुपए लेकर श्री जगन्नाथ धाम यात्रा पर निकल गया। वह श्री जगन्नाथ पुरी पहुंचा। मंदिर की ओर प्रस्थान करते समय उसने रास्ते में देखा कि बहुत सारे संत, भक्त जन, वैष्णव जन, हरि नाम संकीर्तन बड़ी मस्ती में कर रहे हैं। भक्त भी वहीं रुक कर हरिनाम संकीर्तन का आनंद लेने लगा। उसने सोचा क्यों ना सेठ के सौ रुपए से इन भक्तों को भोजन करा दूं। सबको भोजन कराने में उसे कुल 98 रुपए खर्च करने पड़े। उसके पास दो रुपए बच गए उसने सोचा चलो अच्छा हुआ दो रुपए जगन्नाथ जी के चरणों में सेठ के नाम से चढ़ा दूंगा। भक्त ने श्री जगन्नाथ जी के दर्शन किए और अंत में उसने सेठ के दो रुपए श्री जगन्नाथ जी के चरणो में चढ़ा दिए। भगवान को आपके धन की कोई आवश्यकता नहीं है। भगवान को वह 98 रुपए स्वीकार है जो जीव मात्र की सेवा में खर्च किए गए और उस दो

सटाका

आज की पाती

सुरक्षा मानकों पर उठते सवाल

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के अलीगंज क्षेत्र में 22 जून को एक दो-मंजिला व्यावसायिक भवन में लगी भीषण आग ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया। उपलब्ध जानकारी के अनुसार इस दर्दनाक हादसे मे तीन महिलाओं सहित 15 लोगों की मृत्यु हो गई, जबकि सात अन्य घायल बताए जा रहे हैं। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार मृतकों में अधिकांश विद्यार्थी थे, जो भवन की दूसरी मंजिल पर संचालित डिजिटल लाइब्रेरी और एनिमेशन सेंटर में अध्ययन कर रहे थे। आग ग्राउंड फ्लोर पर स्थित एक पेट शॉप में शॉर्ट सर्किट के कारण लगी और कुछ ही मिनटों में पूरे भवन मे फैल गई। यह भी सामने आया है कि प्रवेश द्वार थंब इम्प्रेशन प्रणाली से संचालित था, जो आपातकालीन स्थिति में समय पर नहीं खुल पाया। क्या सुरक्षा एजेंसी ने कभी सुरक्षा मानकों का जायजा लिया।

- राहुल शर्मा, जींद

ट्रेंड

कॉरिडोर विज़न

असम एक्सप्रेसवे और हाई-स्पीड कॉरिडोर का एक नेटवर्क बना रहा है ताकि हर इलाके तक यात्रा का समय मौजूदा 13-15 घंटे से घटकर 6 घंटे के दायरे में आ जाए। बड़े सिलीगुड़ी-सिलचर कॉरिडोर विज़न के तहत सिलचर-शिलांग सेक्शन पर काम पहले ही चल रहा है।

- हिमंत बिस्वा सरमा, सीएम, असम

महत्वपूर्ण कदम

आज झारखंड के स्वास्थ्य क्षेत्र मे एक नई शुरुआत हुई है। न केवल डॉक्टरों, बल्कि अस्पताल प्रबंधकों और वित्त प्रबंधकों की नियुक्ति से अस्पताल प्रबंधन को अधिक पेशेवर, पारदर्शी और जवाबदेह बनाने की दिशा मे महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है।

- हेमंत सोरेन, सीएम, झारखंड

लखनऊ अग्निकांड

लखनऊ अग्निकांड जैसी जानलेवा घटनाएं अनगिनत परिवारों की उम्मीदें तोड़ देती है। ऐसी दुखद घटनाओं को रोकने के लिए सही ढंग से काम करने की जरूरत है। सिर्फ एक-दूसरे पर आरोप लगाने से काम नही चलेगा।

- मायावती, पूर्व सीएम, उप्र

छात्रों की आवाज़

लाखों छात्रों का भविष्य बर्बाद हो गया है, नीट पेपर लीक की वजह से 20 बच्चों ने अपनी जान दे दी..लेकिन मोदी सरकार के शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान अपनी कुर्सी से चिपके हुए है और इंटरव्यू देते समय "छात्रों की आवाज" को "आतंकवादी" कह रहे है।

- मल्लिकार्जुन खड़गे, अध्यक्ष, कांग्रेस

करंट अफेयर

चीनी कंप्यूटर 'लाइनशाइन' ने अमेरिकी कंप्यूटर को पछाड़ा

चीन का एक सुपरकंप्यूटर अमेरिकी मशीनों को पछाड़कर अब दुनिया का सबसे शक्तिशाली कंप्यूटर बन गया है। वर्ष 2017 के बाद यह पहला मौका है जब किसी चीनी कंप्यूटर ने उस सूची में शीर्ष स्थान हासिल किया है जिसे प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में किसी देश की क्षमता के पैमाने के रूप में भी अकसर देखा जाता है। चीन के शेनझेन में स्थित 'लाइनशाइन' कंप्यूटर ने मंगलवार को घोषित 'टॉप500' कंप्यूटर की रैंकिंग के हालिया संस्करण में अमेरिकी कंप्यूटर 'एल कैपिटन' को पछाड़ दिया। 'टॉप500' परियोजना से जुड़े वैज्ञानिकों ने बताया कि चीन के राष्ट्रीय सुपरकंप्यूटिंग केंद्र में स्थित 'लाइनशाइन' कंप्यूटर ने 2.198 एक्साफ्लॉप्स की क्षमता हासिल की है।

इसका अर्थ है कि यह प्रति सेकंड दो क्विंटिलियन (10 की घात 18) से अधिक गणनाएं कर सकता है। अमेरिकी सरकार की कैलिफोर्निया स्थित 'लॉरेंस लिवरमोर नेशनल लेबोरेटरी' का 'एल कैपिटन' अब दूसरे स्थान पर है। इसके बाद टेनेसी और इलिनॉय की राष्ट्रीय प्रयोगशालाओं में स्थित दो अन्य अमेरिकी सुपरकंप्यूटर का स्थान है। जर्मनी का 'जुपिटर' सुपरकंप्यूटर खिसककर पांचवें स्थान पर आ गया है। ये पांचों दुनिया के एकमात्र ऐसे 'एक्सास्केल' कंप्यूटर हैं, जिनकी क्षमता की सार्वजनिक रूप से पुष्टि की गई है।

ऑफ बीट

पृथ्वी का ज्ञात क्रेटर तीन अरब वर्ष से भी अधिक पुराना

पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया के पिलबारा क्षेत्र में स्थित प्राचीन चट्टानों पर किए गए एक नए अध्ययन में पुष्टि हुई है कि पृथ्वी पर ज्ञात सबसे पुराना क्रेटर 3.024 अरब वर्ष से अधिक पुराना है। कर्टिन विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक क्रिस किर्कलैंड के नेतृत्व में किए गए इस अध्ययन में पाया गया कि उत्तरी ध्रुव के झुकाव वाले क्षेत्र में मौजूद भूगर्भीय संरचना एक विशाल उल्कापिंड टक्कर का परिणाम है, जो आर्कियन काल (4 से 2.5 अरब वर्ष पूर्व) में हुई थी। इस क्षेत्र की चट्टानें लगभग 3.5 अरब वर्ष पुरानी ज्वालामुखीय चट्टानें हैं, जिनमें 'शॉटर कोन्स' पाए गए हैं। ये संरचनाएं अत्यधिक दबाव और झटके का संकेत देती हैं, जो किसी उल्कापिंड के टकराने से उत्पन्न होते हैं।

शोधकर्ताओं ने इन चट्टानों के भीतर मौजूद सूक्ष्म खनिजों का विश्लेषण कर उनकी आयु निर्धारित की। विशेष रूप से जिरकॉन के क्रिस्टलों में यूरेनियम-सीसा डेटिंग तकनीक का उपयोग किया गया। यह तकनीक रेडियोधर्मी क्षय के सिद्धांत पर आधारित होती है और अत्यंत प्राचीन घटनाओं की सटीक आयु निर्धारित करने में सहायक होती है। अध्ययन में पाया गया कि कुछ जिरकॉन क्रिस्टल 3.4 अरब वर्ष से भी पुराने थे, जो संभवतः उस प्राचीन चट्टान का हिस्सा थे जिस पर उल्कापिंड का प्रभाव पड़ा था।

खबर संक्षेप

एक्ट्रेस के घर मिला बिजनेसमैन का शव

बेंगलुरु। बेंगलुरु के राजा-राजेश्वरी नगर में कन्नड़ एक्ट्रेस कृषि थापांडा के घर पर वैशाख नाम के एक

बिजनेसमैन ने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। बताया जा रहा वह डिप्रेशन से जूझ रहे थे। पुलिस के अनुसार यह घटना बुधवार रात करीब 8:30 बजे हुई, जब कृषि थापांडा येलाहंका गई हुई थीं। वैशाख पिछले एक हफ़्ते से घर पर रह रहे थे।

तेलंगाना में 'सर' पर अलर्ट,रेड्डी ने सचेत किया

हैदराबाद। कांग्रेस शासित राज्य तेलंगाना में चुनाव आयोग ने एसआईआर का काम बूथ स्तर पर

शुरू कर दिया है। बीएलओ घर-घर जाकर मतदाता का वेरिफिकेशन करेंगे। इसको लेकर कांग्रेस अलर्ट हो गई है और आधी रात में सीएम रेवंत रेड्डी ने मंत्रियों, विधायकों और दिग्गज नेताओं के साथ एसआईआर की रणनीतियों के संबध में अहम बैठक की है।

अस्वीकृति बर्दाश्त नहीं कर पाते लड़केःहाई कोर्ट

चेन्नई। मद्रास उच्च न्यायालय ने सुनवाई करते हुए समाज और आज की युवा पीढ़ी की मानसिकता पर

अहम टिप्पणी की है। अदालत ने कहा है कि युवा पीढ़ी रिजेक्शन स्वीकार नहीं कर पाती है। कोर्ट 2016 में कॉलेज की क्लास के अंदर अपनी क्लासमेट की हत्या के मामले की सुनवाई कर रहा था। इसमें उसकी सजा और उम्रकैद को बरकरार रखा है।

सुजाता कार्तिकेयन बीजेडी में शामिल

भुवनेश्वर। ओडिशा की राजनीति में अहम घटनाक्रम सामने आया है। नौकरशाह से राजनेता बने वीके

पांडियन की पत्नी और पूर्व आईएएस अधिकारी सुजाता राउत कार्तिकेयन ने गुरुवार को बीजू जनता दल का दामन थाम लिया।

आपातकाल की 51वीं बरसी पर बोले प्रधानमंत्री मोदी

कभी माफ न करें, कभी न भूलें, यह लोकतंत्र के लिए बड़ा 'काला अध्याय'

1975 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा ने देश में लगाई थी इमरजेंसी

इंस्टाग्राम पर हैशटैग 'संविधान हत्या दिवस' के साथ पोस्ट किया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 1975 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की ओर से लगाए गए आपातकाल की 51वीं बरसी पर गुरुवार को इस दिन को भारतीय लोकतंत्र के इतिहास का सबसे काला अध्याय बताया। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए उन्होंने नागरिकों से कहा कि इस दाग को बार-बार याद करने की जरूरत है, ताकि देश में फिर कोई ऐसा पैदा न हो, जिसको इस पाप के रास्ते पर जाने की इच्छा हो जाए। पीएम मोदी ने इंस्टाग्राम पर हैशटैग 'संविधान हत्या दिवस' के साथ पोस्ट किया, क्या आप जानते हैं कि हमारे लोकतांत्रिक इतिहास में 25 जून इतना महत्वपूर्ण क्यों है? उन्होंने लिखा, आपातकाल लगाने वालों के माथे पर उस गंभीर पाप का कलंक हमेशा के लिए लग गया है। आज हम उन सभी लोगों को सलाम करते हैं, जो डटकर खड़े रहे। उन्हीं की वजह से लोकतंत्र बचा रहा। कभी माफ न करें और कभी न भूलें।

इंदिरा के आपातकाल की घोषणा का अंश शेयर किया

पीएम मोदी ने अपने पोस्ट में शुरुआत में इंदिरा गांधी के आपातकाल की घोषणा का अंश शेयर किया, जिसमें तत्कालीन प्रधानमंत्री को कहते सुना गया, राष्ट्रपति जी ने आपातकाल की घोषणा की है।प्रधानमंत्री ने इसका शीर्षक दिया, आपातकाल की 51वीं बरसी- जानिए क्यों इसे भारतीय लोकतंत्र के इतिहास का सबसे काला अध्याय माना जाता है।

मैंने इसे बहुत निकट से देखा

पीएम मोदी ने कहा कि आपातकाल को मैंने बहुत निकट से देखा है। करोड़ों लोगों को यातनाएं दी गईं। जिस संसद के अंदर होता था, वह तो रिकॉर्ड पर है। आपातकाल लगाने वालों ने न सिर्फ हमारे संविधान की हत्या की, लेकिन बहुत कोशिशों, हजारों गिरफ्तारियों और लाखों लोगों पर अत्याचार के बाद भी भारत के लोगों का लोकतंत्र से विश्वास डिगा

संविधान की हत्या की कोर्ट को गुलाम बनाया

पीएम मोदी ने संदेश में कहा कि आपातकाल लगाने वालों ने न सिर्फ हमारे संविधान की हत्या की, बल्कि उनका इरादा न्यायपालिका को भी अपना गुलाम बनाए रखने का था। इस दौरान लोगों को बड़े पैमाने पर प्रताड़ित किया गया। इसके अनेक उदाहरण हैं, जिन्हें कभी भुलाया नहीं जा सकता है। जॉर्ज फर्नांडिस साहब को जंजीरों में बांधा गया था और अनेक लोगों को कठोर यातनाएं दी गईं। मीसा के तहत किसी को भी ऐसे ही गिरफ्तार कर लिया जाता था। छात्रों को भी परेशान किया गया। अभिव्यक्ति की आजादी का भी गला घोंट दिया गया था।

जनभागीदारी की शक्ति से बड़े-बड़े संकट टलेंगे

पीएम मोदी ने कहा कि जनभागीदारी की शक्ति से बड़े-बड़े संकटों का मुकाबला किया जा सकता है। उस समय जब मीडिया पर ताले लग चुके थे, हर किसी को लगता था कि आज शाम को पुलिस आएगी और पकड़ लेगी। लोगों का सामर्थ और ताकत देखिए, जाति, पंथ व संप्रदाय, इन सबसे ऊपर उठकर देश ने उस समय चुनाव में नतीजा दिया था।

संविधान को कुचलने का पाप कोई नहीं भूल सकता

पीएम मोदी ने कहा कि संविधान की बातें बताना और संविधान को कुचलने का पाप करना, इन चीजों को कोई भूल नहीं सकता है। उस समय जो भी इस पाप के भागीदार थे, ये पाप कभी मिटने वाला नहीं है। इस दाग को बार-बार स्मरण करने की भी जरूरत है, ताकि देश में फिर कोई ऐसा पैदा न हो, जिसे इस रास्ते पर जाने की इच्छा हो जाए।

इमरजेंसी से लोकतांत्रिक संस्थाओं पर पड़ा था दबाव : राजनाथ

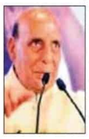

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी आपातकाल को याद करते हुए कहा कि यह ऐसा दौर था जब लोकतांत्रिक अधिकारों और संस्थाओं पर गंभीर दबाव पड़ा था। उन्होंने कहा कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को सीमित किया गया, न्यायपालिका को कमजोर करने के प्रयास हुए और करोड़ों नागरिकों के अधिकारों का उल्लंघन किया गया।

कोलकाता गोदाम हादसा

मृतकों की संख्या बढ़कर हुई 11, प्रधानमंत्री देंगे मुआवजा

एजेंसी ▶▶ कोलकाता

पश्चिम कोलकाता के तारातला इलाके में हादसे में मरने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 11 हो गई है। मलबे से निकाले गए 20 लोगों का इलाज जारी है।कई की हालत गंभीर है। मलबे में फंसे लोगों को निकालने के लिए युद्धस्तर पर बचाव अभियान जारी है। प्रधानमंत्री ने इस पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने मृतकों के परिजनों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से 2-2 लाख देने की घोषणा की है। घायलों को 50-50 हजार की आर्थिक सहायता दी जाएगी।

खामियों के बावजूद टीएमसी ने नक्शे को मंजूरी दी : सुवेंदु

बंगाल के सीएम सुवेंदु अधिकारी ने आरोप लगाया कि संरचनात्मक

खामियों के बावजूद भवन का नक्शा मंजूर किया गया था और उस स्वीकृति पर पूर्व महापौर एवं टीएमसीनेता फिरहाद हकीम के हस्ताक्षर हैं। उन्होंने विधानसभा में कहा कि किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा।

महाराष्ट्र में सियासी भूचाल

उद्धव की बैठक से 23 विधायक नदारद, शरद पवार भी नहीं पहुंचे

एजेंसी ▶▶ मुंबई

महाराष्ट्र की राजनीति में एक और बड़े भूचाल के संकेत मिल रहे हैं। महा विकास

अघाड़ी गठबंधन में सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है। बुधवार को गठबंधन की एक अहम रणनीतिक बैठक से 60 में से 23 विधायकों ने दूरी बना ली। इनमें शरद पवार जैसे बड़े नाम भी शामिल हैं।

बैठक से नदारद रहे ये दिग्गज नेता

बैठक मानसून सत्र के लिए रणनीति तैयार करने के मकसद से बुलाई गई थी, लेकिन इसमें कई बड़े नेता नहीं पहुंचे। कांग्रेस नेता नाना पटोले और विजय वडेट्टीवार भी बैठक से गायब रहे।

दिल्ली-मथुरा पर हाई अलर्ट

हाइवे, स्टेशनों और ट्रेनों में अचानक जांच से हड़कंप

एजेंसी ▶▶ फरीदाबाद

रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) और राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) के संयुक्त आपरेशन के तहत दिल्ली से मथुरा के बीच सुरक्षा चौकसी को बढ़ाया गया है। आरपीएफ महानिदेशक सोनाली मिश्रा के निर्देश पर विशेष सुरक्षा चौकसी अभियान के तहत सेक्शन के बीच रेलवे स्टेशन परिसर और ट्रेनों में नियमित रूप से चेकिंग की जा रही है।बुधवार और गुरुवार को चेकिंग के तहत ओल्ड रेलवे स्टेशन परिसर, बल्लभगढ़, असावटी,

पलवल स्टेशन परिसर पर डॉग स्क्वायड टीम के सदस्य शेरा के साथ यात्री सामानों, डस्टबिन, ट्रेनों में तलाशी ली गई। आरपीएफ पोस्ट प्रभारी श्रवण कुमार ने बताया कि पिछले दिनों जीआरपी के अंबाला हेडक्वार्टर से भी सुरक्षा चौकसी को बढ़ाने अलर्ट आया था। जीआरपी और आरपीएफ पड़ताल की।

सरकारी बसों का उद्घाटन किया

सीएम विजय ने 300 बसों को दिखाई हरी झंडी, यात्रा भी की

एजेंसी ▶▶ चेन्नई

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और अभिनेता विजय ने जब से सीएम की कुर्सी संभाली है, तब से ही चर्चा में हैं। हाल ही में उन्होंने चेन्नई में नई सरकारी बसों का उद्घाटन किया। इसके बाद वेमंच छोड़कर बस पर बैठे। उन्होंने बस कंडक्टर और ड्राइवर से भी बातचीत की। इस मामले के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हैं।

शहर में 300 नई सरकारी बसों को हरी झंडी दिखाने के बाद, विजय एक बस में सवार हुए और

शहर का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने क्रू से बातचीत की और रास्ते में लोगों का अभिवादन किया। इस बीच मुख्यमंत्री सफेद शर्ट और धूप का चश्मा पहने नजर आए। जबकि मंत्री उनके पास में खड़े थे। एक वीडियो में, वह कंडक्टर के साथ लंबी बातचीत करते हुए दिखे।

राज्यसभा में 10 सांसदों ने ली शपथ, उपराष्ट्रपति ने दिलाई सदस्यता

कार्यक्रम में दिखा विभिन्न राज्यों और भाषाओं का 'प्रतिनिधित्व'

हिंदी, अंग्रेजी, तमिल, तेलुगू में ली शपथ

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

राज्यसभा में गुरुवार को अहम शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। सभापति सीपी राधाकृष्णन ने यहां नवनिर्वाचित और पुनर्निर्वाचित 10 सदस्यों को राज्यसभा सदन में शपथ एवं प्रतिज्ञान दिलाया। इस अवसर पर सदन में गरिमामय वातावरण देखने को मिला।विभिन्न राज्यों के कई सांसदों ने अपनी मातृभाषा में यह शपथ ली। जिन सांसदों ने शपथ ली है उनमें प्रवीण चक्रवर्ती, देबाशीष सामंतराय, सना सतीश बाबू, विजय चिंतकायाला,

उपराष्ट्रपति ने टीडीपी नेता विजय चिंताकायाला का अभिवादन किया

भाष्यम राम कृष्ण, लिंगामनेनी रमेश, राजेश परमानंद शुक्ला, बैद्यनाथ राम, परिमल नथवानी और ताई टागाक शामिल रहे।

5 सदस्यों ने हिंदी को महत्ता दी

सभी ने औपचारिक सदस्यता ग्रहण कर ली है। समारोह की एक विशेषता देश की भाषाई विविधता भी रही। 10 में से 5 सदस्यों ने हिंदी में राज्यसभा सदस्य की शपथ ली, वहीं एक ने अंग्रेजी में शपथ ली, एक सदस्य ने तमिल में तथा 3 सदस्यों ने तेलुगू भाषा में शपथ व प्रतिज्ञान लिया। यह भारतीय लोकतंत्र की बहुभाषी परंपरा और संविधान द्वारा सभी भाषाओं को दिए गए सम्मान को दर्शाता है।

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा

रा०प्र०क्र०/20(1)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका राकेश कुमार पटेल आ०/पति रावजी भाई पटेल जाति निवासी सत्तीपारा नेहरू वार्ड अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि गोहल्ला सत्तीपारा नेहरू वार्ड, शीट नम्बर-2 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 627/12 रकबा 2722.5 वर्गफीट भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक / आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 03.07.2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांकः- 18.06.2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

ई-निविदा सूचना

क्र.सं. (1) ई-निविदा संख्याः- डीआरएम-इंजी.-बीएसपी-टी-116-26-27, दिनांकः 23.06.2026

कार्यः 30.06.2027 को समाप्त होने वाली अवधि के लिए एसएसई/हॉर्टिकल्चर/बिलासपुर के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत महाप्रबंधक कार्यालय के हॉर्टिकल्चर जोनल कार्यों का निष्पादन । **निविदा मूल्य (रू):** 55,25,302.80/-, **अमानत राशि (रू):** 1,10,500/-, **कार्य पूर्णता की अवधिः** 12 माह ।

क्र.सं. (2) ई-निविदा संख्याः- डीआरएम-इंजी.-बीएसपी-टी-117-26-27, दिनांकः 23.06.2026

कार्यः 30.06.2027 को समाप्त होने वाली अवधि के लिए एसएसई/हॉर्टिकल्चर/बिलासपुर के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत अधिकारियों के बंगलो और स्टाफ क्वार्टरों के रखरखाव के साथ साथ हॉर्टिकल्चर जोनल कार्यों का निष्पादन । **निविदा मूल्य (रू.):** 1,20,44,114.50/-, **अमानत राशि (रू.):** 2,40,900.00/-, **कार्य पूर्णता की अवधिः** 12 माह ।

क्र.सं. (3) ई-निविदा संख्याः- डीआरएम-इंजी.-बीएसपी-टी-118-26-27, दिनांकः 23.06.2026

कार्यः 30.06.2027 को समाप्त होने वाली अवधि के लिए एसएसई/हॉर्टिकल्चर/बिलासपुर के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ऑफिस एकोमोडेशन, सर्विस बिल्डिंग, खेल के मैदान और इको पार्क के रखरखाव के साथ साथ हॉर्टिकल्चर जोनल कार्यों का निष्पादन । **निविदा मूल्य (रू.):** 1,04,48,055.04/-, **अमानत राशि (रू.):** 2,09,000.00/-, **कार्य पूर्णता की अवधिः** 12 माह । **निविदा जमा की आरंभ तिथिः-** दिनांकः 07.07.2026 से । **निविदा जमा की अंतिम तिथिः-** दिनांकः 21.06.2026 के 11:00 बजे तक ।

उपरोक्त ई-निविदा सूचना की पूरी जानकारी https://www.ireps.gov.in वेबसाइट पर उपलब्ध है । उपरोक्त निविदाओं हेतु ई-टेंडर के अलावा अन्य टेंडर स्वीकार नहीं की जाएगी ।

मंडल रेलवे प्रबंधक (अभि.)
सीपीआर/10/239 द.पू.मध्य रेलवे, बिलासपुर

South East Central Railway @secrail

छत्तीसगढ़ शासन, वन विभाग

दन्तेवाड़ा वनमण्डल, दन्तेवाड़ा

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि जगदलपुर वृत्त के अन्तर्गत दन्तेवाड़ा काष्ठागार में उपलब्ध नीचे ईमारती के नये/पुराने काष्ठ का ई-ऑक्शन द्वारा निवर्तन निम्नानुसार किया जावेगा।इच्छुक बोलीदारों से अनुरोध है कि, वे ई-ऑक्शन में भाग लेवें।ई-आक्शन की शर्तें एवं अन्य जानकारी कार्यालयीन दिवस व समय पर वनमण्डल कार्यालय / केन्द्रीय काष्ठागार दन्तेवाड़ा से प्राप्त की जा सकती है।

1. नीलाम दिनांक
2. नीलाम स्थल का नाम
3. डिपो का नाम जहां वनोपज रखी गई है-
4. नीलाम समय

प्रजाति	नयी काष्ठ				पुरानी काष्ठ			
	नग	घ.मी.	बल्ली	डेंगरी	नग	घ.मी.	बल्ली	डेंगरी
सागौन	1693	271.671	199	126	4929	527.188	190	152
साल	293	55.945	0	0	1214	256.098	67	19
बीजा	111	15.122	0	0	1170	135.543	8	46
साजा	161	11.346	55	0	438	58.037	75	29
हल्दू	14	6.346	0	0	233	46.084	7	19
धावड़ा	26	2.834	37	0	0	0.000	28	22
शिशम	0	0.000	0	0	8	0.577	0	0
शिवना	0	0.000	0	0	1	0.157	0	0
तिन्सा	0	0.000	0	0	14	1.731	0	0
अन्य	60	11.047	17	0	627	76.122	727	273
	2358	374.311	308	126	8634	1101.537	1102	560

1. क्रेताओं को ई-ऑक्शन से पूर्व एम.एस.टी.सी. ई-कॉमर्स पोर्टल में रजिस्ट्रेशन करना अनिवार्य हैं।
2. क्रेताओं को ई-ऑक्शन के पूर्व क्रय लाटों के अपसेट प्राईज मूल्य के 10 प्रतिशत की राशि अपने वालेट में रखना अनिवार्य है। सफल बोलीदार को एक सप्ताह के भीतर शेष 15 प्रतिशत ई. एम.डी. की राशि जमा करना अनिवार्य हैं।
3. लॉट की थप्पी सूची एवं फोटो एम.एस.टी.सी. ई-कॉमर्स पोर्टल में अपने आई. डी. से लॉग इन करके देख सकते हैं।
4. ई- ऑक्शन में लॉट क्रय के पश्चात प्रथम क्रेता को 30 सेकण्ड का समय प्राप्त होगा, उसी लॉट में अन्य क्रेताओं द्वारा 20 सेकण्ड के पूर्व क्रय करने पर 20 सेकण्ड का समय प्राप्त होगा।

वनमण्डलाधिकारी
दन्तेवाड़ा वनमण्डल, दन्तेवाड़ा

जी262701720/2

ऊंचे टॉवर खड़े हो रहे हैं, लेकिन पानी कहां से आएगा; ठाणे के जल संकट का मुद्दा विधान परिषद में गूंजा

संवाददाता

मुंबईः ठाणे जिले में बढ़ते जल संकट, तेजी से हो रहे शहरीकरण और भविष्य की जल सुरक्षा से जुड़े गंभीर मुद्दों को लेकर कोकण स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के विधायक एडवोकेट निरंजन डावखरे ने गुरुवार को विधान परिषद में ध्यानाकर्षण प्रस्ताव के माध्यम से सरकार का ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने बारवी बांध पर बढ़ते दबाव, जलापूर्ति की योजना, नए निर्माण परियोजनाओं को दी जा रही मंजूरी और भविष्य की जल नीति को लेकर सरकार से दीर्घकालिक रणनीति घोषित करने की मांग की। विधान परिषद में बोलते हुए विधायक डावखरे ने कहा कि बारवी बांध ठाणे जिले के साथ-साथ कल्याण-डोंबिवली, अंबरनाथ, बदलापुर, उल्हासनगर और आसपास के लाखों नागरिकों की जीवनरेखा है। लेकिन बढ़ती आबादी, तेजी से हो रहे शहरीकरण और कम वर्षा के कारण हर वर्ष लोगों को जल कटौती का सामना करना पड़ता है। कई क्षेत्रों में नियोजित जलापूर्ति बंद करने की नौबत आ रही है।उन्होंने इस समस्या के स्थायी समाधान की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने ध्यान दिलाया कि मुरबाड तालुका समेत कई औद्योगिक और शहरी क्षेत्रों को बारवी बांध से पर्याप्त पानी नहीं मिल रहा है।ऐसे क्षेत्रों के लिए सरकार की अलग योजना क्या है, यह सवाल भी उन्होंने उठाया। उपलब्ध जल भंडार का वैज्ञानिक पुनर्वितरण, औद्योगिक और घरेलू उपयोग के बीच संतुलन तथा भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए दीर्घकालिक जल नीति बनाने की मांग उन्होंने की। डावखरे ने कहा कि ठाणे महानगरपालिका क्षेत्र की आबादी लगभग 15 लाख से बढ़कर 22 लाख से अधिक हो चुकी है। वहीं कल्याण, डोंबिवली, उल्हासनगर, अंबरनाथ और बदलापुर में भी तेजी से शहरीकरण हो रहा है। इसके बावजूद कई बड़े आवासीय प्रकल्पों को अब तक अधिकृत जल कनेक्शन उपलब्ध नहीं हैं और वे केवल बोरवेल पर निर्भर हैं।ऐसी स्थिति में वास्तविक जल उपलब्धता की जांच किए बिना नई बड़ी निर्माण परियोजनाओं को मंजूरी नहीं दी जानी चाहिए।साथ ही प्रत्येक परियोजना के लिए अलग से वॉटर अवेलेबिलिटी रिपोर्ट अउन्होंने बारवी बांध की जल भंडारण क्षमता बढ़ाने, भविष्य की आबादी की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए नए जल स्रोत विकसित करने तथा पूरे ठाणे जिले की जल व्यवस्था का वस्तुनिष्ठ आकलन करने वाली जल सुरक्षा श्वेतपत्रिका नागपुर अधिवेशन से पहले जारी करने की मांग भी की।उन्होंने कहा कि यह मुद्दा केवल जलापूर्ति विभाग तक सीमित नहीं है, बल्कि नगर विकास, जल संसाधन, एमआईडीसी और स्थानीय स्वशासी संस्थाओं से भी जुड़ा हुआ है।

कांसापारा रेत घाट में संयुक्त टीम का छापा, चौदह रेत लोड वाहन धराए

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। एनजीटी के प्रतिबंध के बावजूद जिले में बेखौफ रेत उत्खनन और परिवहन जारी है, इस बात का खुलासा संयुक्त टीम की औचक छापेमारी के दौरान हुआ। बताया जा रहा है कि जिले सहित सरगुजा संभाग में रोजाना हो रहे बड़े पैमाने पर रेत खनन और परिवहन की गूंज शासन स्तर पर सुनाई देने पर सरगुजा संभाग में इन दिनों खनिज माफियाओं पर ताबड़ तोड़ कार्यवाही हो रही है।नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के प्रतिबंध के बाजूद रेत का बेखौफ खनन इस अवैध कारोबार के गहरे जड़ो का खुलासा करने पर्याप्त है।कोरिया जिले के नौगई में अवैध रेत खनन परिवहन में तीन लोगों को कार में जिंदा जला देने फिर अंबिकापुर में खनिज विभाग के उड़नदस्ता टीम के आरक्षक पर रेत माफियाओं के हमले के बाद प्रशासन और भी सख्त हो गया है।जिला खनिज अधिकारी भूषण पटेल ने बताया कि प्रशासन को जानकारी मिली कि कांसापारा नदी घाट से रोजाना बड़े पैमाने पर रेत खनन और परिवहन हो रहा है। जिसके बाद मामले की कलेक्टर के संज्ञान में डाल कार्यवाही सुनिश्चित की गई। कलेक्टर श्रीमती रेना जमील के निर्देश पर संयुक्त टीम गठित कर पुलिस बल के साथ सुबह 11 बजे कांसापारा नदी घाट में दबिश दी गई। इस दौरान मौके का नजारा देख टीम के अधिकारी हैरान रह गए। टीम में शामिल सुरजपुर तहसीलदार सूर्यकांत साय, जिला खनिज अधिकारी भूषण पटेल, आरटीओ उड़नदस्ता अंबिकापुर की टीम ने पाया कि 14 मिनी ट्रक नदी के भीतर जहां तहां खड़े हैं, जो सभी वाहन रेत लोड हालत में हैं और एक एक कर बाहर निकल रहे हैं। इस दौरान टीम ने मार्ग को जाम कर दिया। टीम के औचक छापे की जानकारी और वाहनों के

काफिले और हथियार बंद जवानों को देख संबंधित वाहनों के चालक परिचालक एवं मजदूर सब इधर उधर भागने लगे। कुछ वाहनों के चालक अधिकारियों के सामने ही रेत को नदी में खाली कर दिया। इस दौरान टीम ने मौके की वीडियो ग्राफी कराते हुए नदी में मौजूद सभी वाहनों के नम्बर, चेचिस नंबर नोट कर एक एक कर वाहनों को मौके से जयनगर थाना भेजने की कार्यवाही कराया। समाचार लिखे जाने तक अमला मौके पर डटा हुआ है। पकड़ी गई वाहनों में कुछ वाहन कोरिया जिले के कुछ अंबिकापुर सिलफिली सहित कुछ गाड़िया स्थानीय रेत तस्करों को बताई गई है। जिला खनिज अधिकारी भूषण पटेल ने आज की कार्यवाही में पकड़े गए वाहनों की जानकारी देते हुए बताया कि वर्तमान में अवैध खनिज परिवहन में अर्थदंड की राशि 15 हजार से बढ़ाकर शासन ने 25 हजार एवं खनिज की मात्रा के हिसाब राशि वसूली के आदेश जारी किए हैं।आज की कार्यवाही में पकड़े गए वाहनों में वाहन क्रमांक सीजी 15 ईजी 6335, सीजी 15 ईएफ 4329, सीजी 15 ईजे 7521, सीजी 15 ईजे 8878, सीजी 15 ईएच 1768, सीजी 15 ईएफ 9940, सीजी 15 ईएफ 6936, सीजी 15 ईएफ 6211, सीजी 15 ईएफ 1889, सीजी 15 ईएफ 7847, सीजी 29 एसी 7669, सीजी 15 ईसी 5589, सीजी 15 ईडी 7608, सीजी 15 ईएफ 7638 पर कार्यवाही की गई है।

जांच में गाड़ियों में नंबर नहीं मिले

संयुक्त टीम की कार्यवाही के दौरान रेत लोड सभी गाड़ियों में आगे पीछे नंबर प्लेट नहीं लगे थे। इसके पीछे के कहानी की भी पुलिस व आरटीओ अमला जांच कर रहा है।बताया जा रहा है कि रेत माफिया जानबूझकर रेत परिवहन में लगे वाहनों में नंबर अंकित नहीं होने देते हैं, जिससे वाहनों की पहचान छिपी रहे।ऐसे में वे दिनभर उक्त वाहनों से रेत ढोने का कारोबार बेखौफ करते हैं। इसका लाभ रेत माफियाओं को इस तरह होता है कि उनकी पहचान छिपी होती है और वे नजर में नहीं आते हैं।

हजार का रेत सीधे पांच से छह हजार

रेत के अवैध कारोबार के पीछे सबसे बड़ा पहलू यह है कि मुफ्त में नदी से रेत निकालने का खर्च एक ट्रिप का डेढ़ हजार होता है। यही रेत संभाग मुख्यालय अंबिकापुर पहुंचते ही इसका रेट पांच से छह हजार या उससे अधिक हो जाता है। आज छापेमारी के दौरान पूछताछ में वाहन के चालकों ने बताया कि एक वाहन अधिकत पांच से छह ट्रिप रोज लगा लेती है।इससे सहज अनुमान लगाया जा सकता है कि यह कारोबार दिन दूना रात चौगुना मुनाफा वाला कारोबार साबित हो रहा है। बताया जा है कि इस अवैध कारोबार में जिले में सैकड़ों वाहन रोजाना इस अवैध कारोबार में लगे हैं। जो शासन को बिना एक रुपए रॉयल्टी दिए बगैर धड़ले से रेत का कारोबार कर रहे हैं, जिन्हें सफेदपोशों का संरक्षण प्राप्त है।

बालाजी मेडिकल स्टोर में विधिवत एक्यूप्रेशर मशीन का उद्घाटन

मनेन्द्रगढ़ (एमसीबी)।शहर में स्वास्थ्य जागरूकता और वैकल्पिक चिकित्सा पद्धतियों के प्रति बढ़ती रुचि के बीच आम लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में एक नई पहल की गई है। राजस्थान भवन में संचालित योग धारा कार्यक्रम में कांसा थाली एक्यूप्रेशर मशीन से लोगों को मिल रहे सकारात्मक लाभों को देखते हुए बालाजी मेडिकल स्टोर्स के संचालक विजय अग्रवाल ने अपने प्रतिष्ठान में आमजन की सुविधा के लिए इस विशेष मशीन की व्यवस्था की है। पंजाब नेशनल बैंक के सामने स्थित बालाजी मेडिकल स्टोर्स में स्थापित इस एक्यूप्रेशर मशीन का विधिवत उद्घाटन नगर के गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति में किया गया। इस अवसर पर सामाजिक कार्यकर्ता श्यामसुंदर पोद्दार, अशोक बोंदिया सहित शहर के अनेक वरिष्ठ नागरिक, समाजसेवी एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरूक लोग मौजूद रहे।

नव निर्वाचित उपाध्यक्ष अंशुल गोयल ने किया पदभार ग्रहण

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। नगर पंचायत शिवनंदनपुर के प्रथम निर्वाचित उपाध्यक्ष के रूप में कांग्रेस नेता अंशुल गोयल ने नगर पंचायत कार्यालय में विधिवत अपना पदभार ग्रहण किया। उल्लेखनीय है कि नवगठित नगर पंचायत शिवनंदनपुर के चुनाव के उपरांत जहां अध्यक्ष पद पर भाजपा ने कब्जा किया है। वहीं उपाध्यक्ष पद पर कांग्रेस के अंशुल गोयल ने बाजी मारते हुए कई राजनीतिक समीकरणों को रंग दे दिया है। विदित हो कि नाटकीय घटनाक्रम में 8-8 पार्षद की संख्या होने के पश्चात भी अंशुल गोयल ने

उपाध्यक्ष पद कांग्रेस की झोली में लाते हुए नगर पंचायत में प्रथम उपाध्यक्ष के रूप में परचम लहराया। शुक्रवार को वरिष्ठ नेताओं, जनप्रतिनिधियों के उपस्थित में विधिवत पूजा-अर्चना कर वैदिक मंत्रोचार के बीच में अपना उपाध्यक्ष का पदभार ग्रहण किया। इस दौरान नगर निगम अम्बिकापुर के नेता प्रतिपक्ष सफी अहमद, पूर्व विधायक पारसनाथ राजवाड़े, सुभाष गोयल, पालूराम तायल, खजान चंद जिंदल, राकेश सिंह, नरेश राजवाड़े, कुसुमलता राजवाड़े, मोहन गोयल, विजय गोयल, रमेश दनोदिया, नरेंद्र जैन, सुनील अग्रवाल, प्रवेश गोयल, चंदन सिंह, आशीष यादव, केबी सिंह, वेद प्रकाश मिश्र, रामलाल सोनी, मुकेश अग्रवाल, अनुपम फिलिप, चंदा सिंह, आकाश साहू, विजेंद्र सिंह, रामनारायण नेता, विमला सिंह, अतुल मित्तल, शमा परवीन, संजय सोनी, पवन अग्रवाल, रामचंद्र यादव, गौरव गोयल, विकास गोयल, अहमद वाहिद, अशोक जिंदल, सन्नी अग्रवाल, पीयूष तिवारी, छितिज सिंह, अभिषेक श्रीवास्तव, परवीन बेगम, अनूप गोयल, धनवीर खेड़ा व नगरवासी उपस्थित रहे।

प्रशिक्षु डिप्टी कलेक्टरों ने किया सियान गुड़ी का अवलोकन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुरनगर- जशपुर के भागलपुर रोड स्थित डे-केयर सेंटर सियान गुड़ी वरिष्ठ नागरिकों की सेवा, सम्मान और देखभाल के लिए समर्पित एक आदर्श केंद्र के रूप में विकसित हो रहा है। यहां वरिष्ठ नागरिकों को एक ही छत के नीचे स्वास्थ्य, मनोरंजन, पठन-पाठन एवं सामाजिक सहभागिता जैसी अनेक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की मंशानुरूप वरिष्ठजनों के बेहतर जीवन, सम्मान और देखभाल के उद्देश्य से संचालित इस केंद्र का विगत दिवस छत्तीसगढ़ प्रशासन

अकादमी, निमोरा से आए 2025 बैच के प्रशिक्षु डिप्टी कलेक्टरों के दल ने अवलोकन किया। इस दौरान प्रशिक्षु अधिकारियों ने न केवल केंद्र की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया, बल्कि वरिष्ठ नागरिकों के साथ आत्मीय संवाद कर उनके जीवन अनुभवों को भी करीब से जाना। इस दौरान उन्हें प्रशासनिक दक्षता के साथ मानवीय संवेदनशीलता और जरूरतमंद नागरिकों की समस्याओं को समझकर उनका प्रभावी समाधान करने के तरीके को जानने का अवसर भी मिला। प्रशिक्षु डिप्टी कलेक्टर रविशंकर वर्मा, सुश्री निधि प्रधान, नंदनी साहू, मनीष बघेल, सौरभ दीवान, लखेश्वर यादव एवं सत्येन्द्र कुमार बंजारे ने वरिष्ठ नागरिकों के साथ समय बिताया और उनके अनुभवों से प्रेरणा प्राप्त की। उन्होंने केंद्र में उपलब्ध मनोरंजन की सुविधाओं, जैसे रेडियो, टेलीविजन, कैरम, लूडो एवं अन्य इंडोर खेलों का अवलोकन किया। साथ ही पुस्तकालय, धार्मिक एवं प्रेरणादायी पुस्तकों, योग, फिजियोथैरेपी, नियमित स्वास्थ्य जांच तथा चिकित्सा सुविधाओं की जानकारी भी ली। प्रशिक्षु अधिकारियों ने सियान गुड़ी में वरिष्ठ नागरिकों के लिए विकसित किए गए आत्मीय एवं सुविधायुक्त वातावरण की सराहना भी की।

राष्ट्रीय बेसबॉल में चमकी विश्रामपुर की बेटी चंचल, जीता सिल्वर मेडल

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। प्रतिभा, मेहनत और दृढ़ संकल्प के दम पर शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय विश्रामपुर की छात्रा चंचल सिंह ने राष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शन कर न केवल सूरजपुर जिले बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ का गौरव बढ़ाया है। कक्षा दसवीं की छात्रा चंचल सिंह ने सत्र 2024-25 में राजधानी दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय अंडर 17 बालिका बेसबॉल प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन किया। उनके बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत टीम फाइनल तक पहुंची और सिल्वर मेडल जीतकर प्रदेश

का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया। इस उपलब्धि के लिए लोक शिक्षण संचालनालय रायपुर ने चंचल सिंह को 15 हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि स्वीकृत की। जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में आयोजित एक सम्मान समारोह में जिला शिक्षा अधिकारी अजय कुमार मिश्रा ने छात्रा को प्रोत्साहन राशि का चेक प्रदान कर उसके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। जिला शिक्षा अधिकारी अजय मिश्रा ने कहा कि चंचल सिंह की उपलब्धि सूरजपुर जिले की बेटियों के लिए प्रेरणादायक उदाहरण है। उन्होंने कहा कि यदि लक्ष्य स्पष्ट हो और मेहनत ईमानदारी से की जाए तो राष्ट्रीय स्तर पर भी सफलता हासिल की जा सकती है। चंचल ने यह साबित कर दिया है कि ग्रामीण क्षेत्र की प्रतिभाएं भी देशभर में अपनी पहचान बना सकती हैं। विद्यालय के प्राचार्य आशीष कुमार भट्टाचार्य ने कहा कि यह सम्मान केवल चंचल सिंह की मेहनत और प्रतिभा का सम्मान नहीं है, बल्कि प्रदेश की बेटियों को खेलों में आगे बढ़ने का उत्साह भी देगा। उन्होंने विश्वास जताया कि चंचल भविष्य में राष्ट्रीय ही नहीं, अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर देश और प्रदेश का नाम और अधिक रोशन करेंगी। सम्मान समारोह में क्रीड़ा अधिकारी एसके शुक्ला, विद्यालय की व्यायाम शिक्षिका शोभना रंजीत, जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय के आरएन पटेल सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

सिद्धबाबा धाम मंदिर की शिखर की निकाली गई भव्य शोभायात्रा

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

मनेन्द्रगढ़ (एमसीबी)।सिद्ध बाबा धाम में आयोजित तीन दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के दूसरे दिन शुक्रवार को भगवान गणेश, भगवान कार्तिकेय, माता पार्वती, भगवान शिव, नंदी महाराज और ध्वज सहित सिध्दबाबा धाम मंदिर की शिखर की भव्य शोभायात्रा पूरे धार्मिक उत्साह और श्रद्धा के साथ निकाली गई। शिखर यात्रा शाम 3.30 बजे के आसपास खाटू श्याम मंदिर से वैदिक मंत्रोच्चार और पूजा-अर्चना के बाद प्रारंभ हुई। शिखर शोभायात्रा नगर के

प्रमुख मार्गों और चौक-चौराहों से होते हुए सिद्ध बाबा धाम पहुंची जहां विधि-विधान के साथ देव प्रतिमाओं का स्वागत किया गया। शिखर शोभायात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु हर हर महादेव, जय सिध्दबाबा धाम के जयकारे लगाते हुए चल रहे थे।डीजे पर बज रहे भक्ति गीतों और ढोल-नगाड़ों की मधुर धुनों के बीच पूरा नगर भक्तिमय वातावरण में सराबोर रहा। जगह-जगह श्रद्धालुओं और विभिन्न सामाजिक संगठनों ने पुष्पवर्षा कर शिखर शोभायात्रा का भव्य स्वागत किया।

नारी राग-रंग महोत्सव 2026 का भव्य शुभारंभ

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

मनेंन्द्रगढ़ (एमसीबी)।श्रद्धा महिला मंडल एवं मानव संसाधन विभाग एसईसीएल बिलासपुर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय ह्लनारी राग-रंग महोत्सव 2026ह्व का शुभारंभ वसुंधरा क्लब क्षेत्रीय मुख्यालय हसदेव क्षेत्र में हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में हुआ।25 एवं 26 जून को आयोजित होने वाले इस महोत्सव में जागृति महिला समिति एवं मानव संसाधन विभाग हसदेव क्षेत्र के संयोजन में आयोजित इस महोत्सव में महिला अधिकारी, महिला कर्मचारी तथा अधिकारियों एवं कर्मचारियों की पत्नियां उत्साहपूर्वक सहभागिता कर रही हैं। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि जागृति महिला समिति की अध्यक्षा डॉ सरोज बाला बिश्नोई रहीं। उनके साथ जागृति महिला समिति की अन्य पदाधिकारीगण रूनामित्रा, पूनम रानी, रूपादत्ता, माला तिवारी, तृप्ती पांडेय भी उपस्थित रहीं। दीप प्रज्वलन इसके पश्चात वंदे मातरम् एवं कोल इंडिया गीत की सामूहिक प्रस्तुति के साथ कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन किया गया। मुख्य अतिथि का पौधा भेंट कर स्वागत किया गया। स्वागत उद्बोधन डी. डी. तिवारी स्टाफ ऑफिसर (मानव संसाधन) के द्वारा किया गया । तत्पश्चात अमन कुमार प्रबंधक (मानव संसाधन) के द्वारा नारी राग-रंग महोत्सव की रूपरेखा प्रस्तुत की गई। तत्पश्चात सभी प्रतिभागियों एवं निर्णायक मंडल द्वारा शपथ ग्रहण किया गया तथा निर्णायकों का परिचय एवं स्वागत किया गया। अपने उद्बोधन में डॉ सरोज बाला बिश्नोई ने महिलाओं की प्रतिभा, सृजनात्मकता एवं सांस्कृतिक अभिव्यक्ति को प्रोत्साहित करने में ऐसे आयोजनों की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए सभी प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया।

पुलिस अधीक्षक ने खुद परखी डायल-112 की तत्परता,10मिनट में मौके पर पहुंची

ईमली गोलाई में विवाद की सूचना देकर किया औचक परीक्षण

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

मनेंन्द्रगढ़ (एमसीबी)।आम नागरिकों को आपात स्थिति में त्वरित एवं प्रभावी पुलिस सहायता उपलब्ध कराने के उद्देश्य से संचालित डायल-112 सेवा की तत्परता एवं कार्यक्षमता का परीक्षण करने हेतु पुलिस अधीक्षक एमसीबी श्रीमती रत्ना सिंह (आईपीएस) ने स्वयं औचक निरीक्षण किया। पुलिस अधीक्षक श्रीमती रत्ना सिंह ने बिना किसी पूर्व सूचना के बुधवार को डायल-112 कंट्रोल रूम में कॉल कर ईमली गोलाई मोड़ पर कुछ लोगों के बीच विवाद एवं झगड़े की सूचना दी। सूचना प्राप्त होते ही कंट्रोल रूम द्वारा निर्धारित प्रक्रिया के अनुरूप संबंधित डायल-112 टीम को तत्काल अलर्ट कर मौके के लिए रवाना किया गया।डायल-112 टीम ने अपनी त्वरित प्रतिक्रिया का परिचय देते हुए लगभग 15 मिनट

के भीतर घटनास्थल पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। पुलिस अधीक्षक ने मौके पर पहुंची टीम की सक्रियता, सूचना प्राप्ति के बाद की कार्रवाई, घटनास्थल तक पहुंचने में लगे समय तथा समग्र कार्यप्रणाली का स्वयं निरीक्षण एवं मूल्यांकन किया। पुलिस अधीक्षक श्रीमती रत्ना सिंह (आईपीएस) ने बताया कि ऐसे औचक परीक्षणों का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि आपातकालीन परिस्थितियों में आम नागरिकों को समय पर और प्रभावी सहायता मिल सके।उन्होंने कहा कि पुलिस विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता संकट की घड़ी में लोगों तक शीघ्र सहायता पहुंचाना है तथा इसी उद्देश्य से डायल-112 सेवा को निरंतर सुदृढ़ किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में संचालित नेक्स्ट जेनरेशन डायल-112 वाहन अत्याधुनिक तकनीक से सुसज्जित हैं। वाहनों में लगाए गए हाई-रिजॉल्यूशन कैमरे 24 घंटे लाइव मोड में संचालित रहते हैं, जिससे वाहन की गतिविधियों एवं मौके पर की जाने वाली कार्रवाई की निगरानी संभव हो पाती है। इससे पुलिस कार्यप्रणाली में पारदर्शिता और जवाबदेही दोनों सुनिश्चित होती हैं।

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि डायल-112 सेवा का औसत रिस्पॉन्स टाइम क्षेत्र की भौगोलिक परिस्थितियों के अनुरूप निर्धारित होता है। शहरी एवं आसपास के क्षेत्रों में सामान्यतः 10 से 15 मिनट के भीतर पुलिस सहायता उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाता है, जबकि दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्रों में यह समय लगभग 20 से 25 मिनट तक हो सकता है। विभाग द्वारा रिस्पॉन्स टाइम को और अधिक बेहतर बनाने हेतु सतत प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिले में संचालित डायल-112 वाहन संबंधित स्थानीय थाना एवं थाना प्रभारियों के निर्देशन एवं समन्वय में कार्य करते हैं। किसी भी सूचना के प्राप्त होने पर स्थानीय पुलिस के साथ समन्वय स्थापित कर त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाती है, जिससे समयबद्ध सहायता उपलब्ध कराई जा सके। इस दौरान पुलिस अधीक्षक ने डायल-112 में तैनात अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि केवल त्वरित कार्रवाई ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि पीड़ितों, शिकायतकताओं एवं उनके परिजनों के साथ संवेदनशील, सौहार्दपूर्ण एवं सम्मानजनक व्यवहार भी उतना ही आवश्यक है। पुलिस का व्यवहार ही आमजन में विश्वास एवं सुरक्षा की भावना को सुदृढ़ करता है। उन्होंने कहा कि डायल-112 सेवा केवल अपराध संबंधी मामलों तक सीमित नहीं है, बल्कि सड़क दुर्घटना, मारपीट, पारिवारिक विवाद, महिला सुरक्षा, संदिग्ध गतिविधियों एवं अन्य आपात परिस्थितियों में भी नागरिक इस सेवा का लाभ उठा सकते हैं। यह सेवा चौबीसों घंटे उपलब्ध रहकर जरूरतमंदों को तत्काल सहायता प्रदान कर रही है।

अंत में पुलिस अधीक्षक श्रीमती रत्ना सिंह (आईपीएस) ने जिलेवासियों से अपील की कि किसी भी आपात स्थिति में बिना झिझक डायल-112 पर संपर्क करें तथा इस सेवा का जिम्मेदारीपूर्वक उपयोग करें, ताकि वास्तविक जरूरतमंदों तक सहायता शीघ्रता से पहुंचाई जा सके। साथ ही आम नागरिकगण भी 112 के स्टॉफ का भरपूर सहयोग करें ताकि ततपरता के साथ ड्यूटी करें ।उल्लेखनीय है कि अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त डायल-112 वाहनों के माध्यम से प्रदेश में पुलिस रिस्पॉन्स सिस्टम को और अधिक सुदृढ़ एवं तकनीकी रूप से सक्षम बनाया जा रहा है, जिससे दूरस्थ क्षेत्रों में भी आपातकालीन सहायता पहले की अपेक्षा अधिक तेजी से उपलब्ध हो रही है।

हेल्थ क्वेस्ट

डॉ. आर. पी. सिंह सीनियर फिजिशियन, एनसीआर

कुछ समयांतराल पर जब बार-बार हो फीवर

मेरी उम्र 28 वर्ष है। पिछले एक हफ्ते से शाम ढलते ही मुझे ठंड के साथ बुखार आ जाता है। दवा लेने पर ठीक हो जाता है, लेकिन अगली शाम फिर ऐसा होता है। कृपया बताएं इसके लिए मुझे क्या करना चाहिए?

-आशुतोष, रायपुर

जैसा आप बता रहे हैं कि आपको रोज शाम को बुखार आ जाता है और दवा लेने के बाद ठीक हो जाता है। इससे ऐसा लग रहा है कि आपको टाइफाइड हो सकता है, लेकिन बगैर जांच कराए कुछ भी कहना ठीक नहीं होगा। टाइफाइड को ही मियादी बुखार बोलते हैं, जो एक तय समय पर आता है और उतर जाता है। बेहतर होगा कि आप एक बार डॉक्टर से संपर्क कर लें। वे जांच करके यह पता लगाने की कोशिश करेंगे कि फीवर होने का कारण क्या है, और फिर उसके बाद ट्रीटमेंट ठीक से हो सकेगा।

मेरी उम्र 35 वर्ष है। मेरी जीभ पर अकसर फफोले निकल आते हैं, जिससे खाने-पीने में काफी तकलीफ होती है। कृपया बताएं कि ऐसा क्यों होता है और इसे होने से कैसे रोका जा सकता है?

-मनीष, बलौदा बाजार

कई बार इस तरह की समस्याएं अधिक गर्म खाना खाने से होती हैं, अगर ऐसा आप कर रहे हैं तो उसमें बदलाव करें और अधिक गर्म खाना ना खाएं। अगर ऐसा नहीं है तो जरूर आपको एक बार ईएनटी विशेषज्ञ से संपर्क कर लेना चाहिए। वे जांच करने के बाद कारण के बारे में बता पाएंगे। फिलहाल आप अधिक मिर्च-मसाले वाली चीजें बिल्कुल ना खाएं।

मेरी उम्र 62 वर्ष है। 10-15 दिन के अंतराल पर मुझे लूज मोशन या वॉमिटिंग होती है। जिससे काफी कमजोरी महसूस होती रहती है। कृपया मेरी इस समस्या का समाधान बताएं।

-हरीश, महेंद्रगढ़

जैसा आप बता रहे हैं, इससे लगता है कि आपको डाइजेशन की समस्या है। इसलिए सबसे पहले आप खान-पान में सुधार करें। अधिक तेल और मिर्च-मसाले वाला खाना ना खाएं। साथ ही साफ पानी पिएं। कई बार बाहर का पानी पीने से भी इंफेक्शन हो जाता है, जिससे इस तरह की समस्याएं दिखती है। आप घर से निकलते समय पानी की बोतल लेकर निकलें। इस तरह बदलाव से आपको आराम मिल सकता है। अगर फिर भी आराम ना मिले तो जरूर आपको एक बार डॉक्टर से संपर्क कर लेना चाहिए।

मेरी उम्र 37 वर्ष है। पिछले कुछ समय से मेरी गर्दन और कंधे पर बार-बार दाद निकल आता है। इसमें काफी ईचिंग होती है। प्लीज बताएं कि इससे कैसे निजात मिलेगी?

-सौरभ, बिलासपुर

जिन लोगों को अधिक पसीना निकलता है और देर तक सूख नहीं पाता है, उनको इस तरह की समस्याएं हो सकती हैं। अगर आपके साथ भी ऐसा है तो आपको जहां इचिंग होती है, उस हिस्से में लगातार पसीना पोंछते रहना चाहिए, क्योंकि पसीने की नमी में फंगल इंफेक्शन से ही दाद होती है, जिससे खुजली शुरू होती है। अधिक दिक्कत हो रही हो तो डॉक्टर से संपर्क कर ऑइंटमेंट लिखवा लें, इससे आराम जल्दी से मिल जाएगा।

मेरी उम्र 52 वर्ष है। मेरे ब्लड टेस्ट में आयरन और विटामिन डी कम है, जबकि विटामिन बी 12 और कोलेस्ट्रॉल बढ़ा हुआ है। इसकी क्या वजह हो सकती है? ऐसे में मुझे कैसी डाइट लेनी चाहिए?

-कुलदीप, दुर्ग

विटामिन-डी की कमी शहरों में रहने वाले लोगों को अधिक होती है, क्योंकि उनका धूप में एक्सपोजर कम होता है। अगर आपके साथ भी ऐसा है तो आपको विटामिन-डी और बी-12 की दवा लेनी चाहिए। साथ ही आप बता रहे हैं कि कोलेस्ट्रॉल बढ़ा हुआ है और आयरन कम है। बेहतर होगा कि आप डॉक्टर से संपर्क कर लें, वे आपको इसकी मेडिसिन बता देंगे। साथ में डाइटीशियन से भी आपको संपर्क कर लेना चाहिए, वो आपका डाइट चार्ट तैयार कर देंगे, जिसके अनुसार आप डाइट लेंगे तो भविष्य में विटामिन-डी, बी-12 और आयरन बैलेंस रहेंगे। *

प्रस्तुति: रिचा पांडे

डॉक्टर्स एडवाइस

डॉ. नवदीप सिंह

प्रिंसिपल-इंडस कॉलेज ऑफ नर्सिंग खांडा खेड़ी, हिसार

हाल के वर्षों में यंग और मिड एज की महिलाओं में पीएमओएस (पूर्व नाम पीसीओएस) की समस्या काफी देखने को मिल रही है। हालांकि इसके पीछे कई तरह के कारण हो सकते हैं लेकिन अनबैलेंस्ड लाइफस्टाइल की वजह से यह समस्या ज्यादा बढ़ती है। ऐसे में इससे ग्रस्त महिलाओं को बिना चिंता और डर के इसके स्पेशलिस्ट डॉक्टर से कंसल्ट करना चाहिए, ताकि इसे कंट्रोल किया जा सके। इस बारे में यहां दे रहे हैं बहुत उपयोगी जानकारियां।

सही ट्रीटमेंट-बैलेंस्ड लाइफस्टाइल से पीएमओएस को कर सकते हैं कंट्रोल

बहुसिस्टिक अंडाशय सिंड्रोम, जिसे पहले पॉलिसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम (पीसीओएस) के नाम से जाना जाता था, अब वैश्विक सहमति के बाद आधिकारिक रूप से पॉलिएंडोक्राइन मेटाबॉलिक ओवेरियन सिंड्रोम (पीएमओएस) कहलाया जा रहा है। यह नाम परिवर्तन इस तथ्य को रेखांकित करता है कि यह स्थिति केवल ओवरी की सिस्ट तक सीमित नहीं, बल्कि बहुग्रंथि (पॉलिएंडोक्राइन) हार्मोनल असंतुलन और व्यापक मेटाबॉलिक गड़बड़ी से जुड़ी लॉन्ग पीरियड बीमारी है।

काफी महिलाएं होती हैं प्रभावित

पीएमओएस आज प्रजनन-आयु की महिलाओं में सर्वाधिक पाए जाने वाले हार्मोनल और मेटाबॉलिक रोगों में प्रमुख माना जा रहा है। उपलब्ध वैज्ञानिक साक्ष्य बताते हैं कि विश्व-स्तर पर लगभग हर आठ में से एक महिला इससे प्रभावित हो सकती है, जबकि भारतीय अध्ययनों में इसका प्रचलन कई समुदायों में लगभग 3.7 से 22.5 प्रतिशत तक दर्ज किया गया है, जो सार्वजनिक स्वास्थ्य की दृष्टि से गंभीर चेतावनी है।

ऐसे होता है डायग्नोज

2023 की अंतरराष्ट्रीय साक्ष्य आधारित पीएमओएस गाइडलाइन के अनुसार इस स्वास्थ्य समस्या के निदान के लिए अनियमित या अनुपस्थित ओवुलेशन, एंड्रोजन हार्मोन की अधिकता के लक्षण तथा अल्ट्रासाउंड में स्पेसिफिक ओवरी इमेज, इन तीन में से कम से कम दो क्राइटेरिया की उपस्थिति आवश्यक मानी जाती है, बशर्ते अन्य कारणों की वैज्ञानिक रूप से जांच कर उन्हें अलग कर दिया गया हो। पीएमओएस को अब केवल एक स्त्री रोग नहीं, बल्कि व्यापक मेटाबॉलिक स्थिति के रूप में स्वीकार किया जा रहा है, जो टाइप 2 डायबिटीज, हाई बीपी, हृदय रोग, फैटी लिवर और कुछ विशिष्ट कैंसरों के बढ़े रिस्क से भी जुड़ी है।

रोग होने के कारण

पीएमओएस के लगातार बढ़ते मामलों के पीछे आनुवंशिक प्रवृत्ति और इंसुलिन रेजिस्टेंस जैसे जैविक कारणों के साथ-साथ आधुनिक जीवनशैली की अनेक अस्वास्थ्यकर आदतें भी जिम्मेदार हैं। इंसुलिन रेजिस्टेंस को पीएमओएस की रोग जनन प्रक्रिया का मेन फैक्टर माना जाता है, जो सामान्य बॉडी मास इंडेक्स (नॉर्मल बीएमआई) वाली महिलाओं में भी पाया जा सकता है। मोटापे और पेट की अधिक चर्बी से यह और अधिक गंभीर हो जाता है। तीव्र शहरीकरण, शारीरिक गतिविधि में कमी, एनर्जीफुल और शुगर रिच डाइट, फास्ट फूड हाबिट, कार्यस्थल और पारिवारिक तनाव, देर रात तक जागने की आदत और अपर्याप्त नींद लेने जैसे कारण, भारतीय शहरी और अर्ध शहरी युवतियों में पीएमओएस होने की आशंका को और बढ़ा रहे हैं।

रोग का उपचार

मेडिकली पीएमओएस का पर्मानेंट ट्रीटमेंट अभी उपलब्ध नहीं है। लेकिन इसमें संदेह नहीं है कि समुचित मेडिसिनल ट्रीटमेंट और डिसिप्लिंड लाइफस्टाइल के माध्यम से इसे प्रभावी रूप से नियंत्रित किया जा सकता है। अधिकांश महिलाएं प्रॉपर लाइफ मैनेजमेंट के साथ नॉर्मल लाइफ जी सकती हैं और मातृत्व सुख भी प्राप्त कर सकती हैं।

ट्रीटमेंट प्रोसीजर

पीएमओएस के ट्रीटमेंट का प्रोसीजर हमेशा व्यक्तिगत होना चाहिए। इसमें पेशेंट की आयु, उसके प्रमुख लक्षण, मेटाबॉलिक रिस्क और प्रेग्नेंसी की इच्छा जैसे प्वाइंट्स को ध्यान में रखा जाना चाहिए। पीरियड्स को नियमित करने और एंड्रोजन स्तर को नियंत्रित करने के लिए हार्मोनल गर्भनिरोधी मेडिसिंस या प्रोजेस्टिन, इंसुलिन रेजिस्टेंस और वेट मैनेजमेंट के लिए मेटफॉर्मिन समूह की दवाएं, अनचाहे बाल और मुंहासों के लिए एंटी एंड्रोजन और त्वचा संबंधी उपचार, प्रेग्नेंसी की इच्छा होने पर ओवुलेशन प्रेरित करने वाली दवाएं और आवश्यकता पड़ने पर सहायक रिप्रोडक्शन तकनीक जैसे आज के समय में कई ऑप्शंस उपलब्ध हैं। इन सभी का प्रयोग केवल योग्य स्त्री रोग विशेषज्ञ या एंडोक्राइनोलॉजिस्ट की निगरानी में ही किया जाना चाहिए।

प्रभावी है लाइफस्टाइल मैनेजमेंट

इंटरनेशनल गाइडलाइंस में लाइफस्टाइल मैनेजमेंट यानी जीवनशैली प्रबंधन में विशेष रूप से डाइट, फिजिकल एक्टिविटी और व्यावहारिक परिवर्तन को पीएमओएस का फर्स्ट लेवल ट्रीटमेंट माना गया है। खासकर तब जब पेशेंट का बॉडी वेट सामान्य से अधिक हो। एविडेंस बेस्ड स्टडीज से यह स्पष्ट है कि ओवर बॉडी वेट में मात्र 5-10 प्रतिशत की कमी से भी पीरियड्स की रेग्युलेरिटी, नॉर्मल ओवुलेशन, इंसुलिन सेंसिटिविटी और लिपिड प्रोफाइल में महत्वपूर्ण सुधार प्राप्त किया जा सकता है।

बैलेंस्ड डाइट है लाभकारी

बैलेंस्ड, हाई फाइबर और लो ग्लाइसेमिक इंडेक्स वाला डाइट, जिसमें साबुत अनाज, दालें, ताजी सब्जियां, विभिन्न फल, मेवे (ड्राय फ्रूट्स), बीज और स्वस्थ असंतृप्त वसा (हेल्दी अनसैचुरेटेड फैट) शामिल हों, पीएमओएस कंट्रोल करने में विशेष रूप से लाभकारी सिद्ध हुआ है, जबकि रिफाइंड मैदा, अत्यधिक चीनीयुक्त खाद्य पदार्थ, मीठे पेय, तले-भुने और प्रोसेस्ड फूड्स, इंसुलिन रेजिस्टेंस और निम्न स्तरीय सूजन को बढ़ाते हैं।

महत्वपूर्ण हैं फिजिकल एक्टिविटीज

नियमित शारीरिक गतिविधि, पीएमओएस के लगभग सभी क्लीनिकली रिलेटेड इश्यूज जैसे- बॉडी वेट, पेट की चर्बी, इंसुलिन रेजिस्टेंस, ब्लड प्रेशर, कार्डियो मेटाबॉलिक रिस्क और मेंटल हेल्थ पर सकारात्मक प्रभाव डालती है। उपलब्ध मेटा विश्लेषण, प्रति सप्ताह कम से कम 150 मिनट मीडियम से फास्ट एरोबिक वर्कआउट के साथ सप्ताह में दो या अधिक दिन प्रतिरोधात्मक (रेजिस्टेंस) व्यायाम की सिफारिश करते हैं। संरचित, पर्यवेक्षित व्यायाम कार्यक्रमों (स्ट्रक्चर्ड, सुपरवाइज्ड एक्सरसाइज प्रोग्राम) और उच्च तीव्रता अंतराल प्रशिक्षण (एचआईआईटी) ने कमर की माप, इंसुलिन सेंसिटिविटी और कार्डियो रेस्पिरेट्री फिटनेस में विशेष लाभ दिखाए हैं। समग्र रूप से पीएमओएस, 'होल पर्सन केयर' की आवश्यकता को रेखांकित करता है, जिसमें जैविक, मनोवैज्ञानिक और सामाजिक सभी आयामों को समन्वित रूप से शामिल किया जाना चाहिए। इसके लिए डॉक्टर्स, नर्सेज और एलाइड हेल्थ प्रोफेशनल्स को सहानुभूतिपूर्ण परामर्श के माध्यम से यह संदेश देना चाहिए कि पीएमओएस किसी व्यक्तिगत गलती का परिणाम नहीं है। यह कई फैक्टर्स पर निर्भर करने वाली मेडिकल कंडीशन है, जिसे मैनेज-कंट्रोल किया जा सकता है। यदि पेशेंट को समय पर, सही ट्रीटमेंट दी जाए और उसके साथ संतुलित आहार, नियमित व्यायाम तथा मानसिक स्वास्थ्य संबंधी उपायों को अपनाया जाए तो पीएमओएस के अधिकांश नेगेटिव प्रभावों को सफलतापूर्वक नियंत्रित किया जा सकता है। *

मेंटल-इमोशनल हेल्थ का रखें ध्यान

आहार और व्यायाम के अतिरिक्त मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य (मेंटल-इमोशनल हेल्थ) पर ध्यान देना भी पीएमओएस (होल पर्सन केयर) प्रबंधन का अभिन्न अंग बनता जा रहा है। तुलनात्मक अध्ययनों में पीएमओएस से प्रभावित महिलाओं में अवसाद (डिप्रेशन), चिंता (स्ट्रेस), विकृत भोजन आचरण (बैड फूड हैबिट) और नेगेटिव बॉडी इमेज की दर, सामान्य महिलाओं की तुलना में अधिक पाई गई है। इससे उपचार अनुपालन तथा जीवन गुणवत्ता दोनों प्रभावित होती हैं। योग, प्राणायाम, ध्यान और संज्ञानात्मक व्यावहारिक उपचार (कॉग्निटिव बिहेवियरल थेरेपी) जैसे तरीके तनाव घटाने, नींद सुधारने में सहायक सिद्ध हो रहे हैं। हालांकि उनके रुटीन क्लीनिकल प्रैक्टिस में स्थान को डिफाइन करने के लिए, हाई क्वालिटी रिसर्च की आवश्यकता बनी हुई है।

फिटनेस

संध्या सिंह

इन दिनों के लिए परफेक्ट फिटनेस मंत्रा

जून महीने के इन अंतिम दिनों में जब जमकर बारिश शुरू नहीं हुई है और वातावरण में उमस भरी बेचैन करने वाली गर्मी है, ऐसे में अपनी फिटनेस को मेंटेन रखने के लिए कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए। सूर्योदय के समय से कुछ देर बाद तक हल्की शारीरिक गतिविधि करें। दिन के समय हर 30-40 मिनट में कुछ घूंट पानी पीएं। दोपहर 11 से 4 बजे के बीच ज्यादा देर तक लगातार धूप में न रहें।

इन दिनों अगर आप यहां बताए जा रहे नियमों का पालन करें तो पूरी तरह से फिट रह सकते हैं। यह नियम न केवल गर्मी के दुष्प्रभावों से बचाता है बल्कि पूरी तरह से फिट और एक्टिव रखता है। इन दिनों अगर आप सर्दियों जैसी ही हैवी एक्सरसाइज जारी रखते हैं तो शरीर में पानी की कमी हो सकती है, लगातार थकान बनी रहती है, चक्कर आने लगते हैं, मांसपेशियों में खिंचाव जैसी समस्याएं बढ़ जाती हैं। इसलिए इस मौसम में फिटनेस का अर्थ केवल कैलोरी बर्न करना नहीं बल्कि शरीर को ठंडा रखना, ऊर्जावान रखना और सुरक्षित रखना भी होता है। इसलिए कुछ बातों का ध्यान रखें।

सुबह जल्दी व्यायाम करें: इन दिनों बेहतर है कि आप सुबह पांच बजे व्यायाम के लिए तैयार हो जाएं और साढ़े छ-सात बजे तक व्यायाम पूरा कर लें। इस समय तापमान कम तो रहता ही है, शरीर पर अतिरिक्त दबाव भी नहीं पड़ता। इस दौरान तेजगति से चलना, कुछ आसन, प्राणायाम, हल्की स्ट्रेचिंग और साइकिलिंग फिट रहने के लिए पर्याप्त व्यायाम हैं। इस मौसम में भारी जिम वर्कआउट के बजाय कुछ आसन करना बेहतर विकल्प होता है। खास तौर पर ताड़ासन, वृक्षासन, भुजंगासन, शवासन, अनुलोम-विलोम, शीतली और शीतकारी प्राणायाम इन दिनों शरीर और मन दोनों को स्वस्थ रखते हुए ठंडक प्रदान करते हैं।

पीते रहें पानी: दिन के समय प्यास लगने का इंतजार न करें बल्कि हर 30-40 मिनट में कुछ घूंट पानी पिएं। सादा पानी, नीबू पानी, छाछ, नारियल पानी, बेल या सत्तू का शर्बत इन दिनों शरीर में इलेक्ट्रोलाइट संतुलन बनाकर रखते हैं।

हल्का आहार: इस मौसम में फिटनेस बनाए रखने के लिए आहार भी हल्का लेना चाहिए। इसलिए खीरा, ककड़ी, खरबूजा, लौकी, तोरी और दही का इस्तेमाल जरूर करना चाहिए। इन दिनों तले हुए, ज्यादा मसाले वाले और अत्यधिक मीठे खाद्य पदार्थों से बचना चाहिए। *

अवेयरनेस

डॉ. मोलिशा भंडारी

डर्मेटोलॉजिस्ट, पेसिफिक वन हेल्थ हॉस्पिटल, नई दिल्ली

विटिलिगो एक प्रकार की ऑटोइम्यून डिजीज है, जिसमें स्किन कलर को कंट्रोल करने वाले मेलेनोसाइट्स नष्ट होने लगते हैं। इससे व्हाइट स्पॉट्स दिखने लगते हैं। **वर्ल्ड विटिलिगो डे (25 जून)** के अवसर पर जानिए, इससे जुड़ी बहुत इंपॉर्टेंट इंफॉर्मेशंस।

विटिलिगो को कर सकते हैं कंट्रोल

विटिलिगो को सफेद दाग या ल्यूकोडर्मा भी कहते हैं। यह ऐसी बीमारी है, जिसमें त्वचा की रंगत चली जाती है, जिससे सफेद धब्बे बन जाते हैं। विटिलिगो को ऑटोइम्यून बीमारी माना जाता है, जिसका आशय है कि यह समस्या शरीर की अपनी प्रतिरक्षा प्रणाली द्वारा त्वचा की मेलेनोसाइट्स पर हमला करने के कारण होती है। दूसरे शब्दों में कहें तो यह तब होता है, जब त्वचा में मेलेनिन नामक पिगमेंट बनाने वाली कोशिकाएं नष्ट हो जाती हैं।

क्या हैं कारण: विटिलिगो के होने का सटीक कारण अज्ञात है। लेकिन कुछ फैक्टर्स इससे रिलेटेड हो सकते हैं।

आनुवंशिक कारक: ऐसे लोगों में विटिलिगो होने की संभावना अधिक होती है, जिनके परिवार में विटिलिगो हो चुका है।

तनाव: कुछ मामलों में अत्यधिक तनाव विटिलिगो को ट्रिगर कर सकता है या इसे और बदतर बना सकता है।

अन्य बीमारियां: थायरॉइड संबंधी समस्याएं, टाइप 1 डायबिटीज और एडिसन रोग आदि भी विटिलिगो की समस्या बढ़ा सकते हैं या उत्पन्न कर सकते हैं।

प्रमुख लक्षण: त्वचा पर सफेद या हल्के रंग के धब्बे शरीर के किसी भी भाग पर हो सकते हैं। आमतौर पर चेहरे, गर्दन, हाथों और पैरों पर सफेद धब्बे अधिक दिखाई देते हैं। धब्बे आमतौर पर शरीर के दोनों तरफ दिखाई देते हैं। त्वचा का रंग पैच में बदल जाता है। ऐसे लक्षण दिखने पर डर्मेटोलॉजिस्ट से मिलें।

इलाज के बारे में: विटिलिगो का स्थाई इलाज नहीं है, लेकिन विभिन्न उपचार विधियों से इस त्वचा रोग को नियंत्रित व प्रबंधित किया जा सकता है, जिनसे त्वचा के रंग को वापस लाया जा सकता है। विटिलिगो के उपचार के विकल्पों में शामिल हैं-

टॉपिकल उपचार: विशेषज्ञ डॉक्टर आमतौर पर टॉपिकल 'कार्टिकोस्टेरॉयड्स' या नॉन-स्टेरॉयडल इम्यूनोस्प्रेसेंट आदि से उपचार शुरू करते हैं। टॉपिकल 'कार्टिकोस्टेरॉयड्स' दवाएं सूजन को कम करने और त्वचा के रंग को वापस लाने में मदद करती हैं। वहीं गैर-स्टेरॉयडल दवाएं, लंबे समय तक उपयोग के लिए बेहतर होती हैं, क्योंकि स्टेरॉयड्स की तुलना में उनके कम दुष्प्रभाव होते हैं, खासकर बच्चों के लिए या शरीर के संवेदनशील भागों के उपचार में।

फोटोथेरेपी: इस थेरेपी के अंतर्गत विशेष प्रकाश किरणों का उपयोग करके त्वचा के विकारों या खामियों को दूर किया जाता है।

दवाएं: अतीत में उपचार के विकल्प काफी कम थे, लेकिन अब ओरल कॉर्टिकोस्टेरॉइड्स से लेकर नए गैर-स्टेरॉयडल इम्यूनोसप्रेसिव और इम्यूनोमॉडुलेटरी दवाओं की लॉन्ग रेंज दवाएं उपलब्ध हैं। दवा का चयन पूरी तरह से त्वचा रोग विशेषज्ञ पर निर्भर करता है। इन दवाओं को नियमित रूप से लेना जरूरी है।

सर्जिकल प्रोसेस: अनेक मामलों में सर्जरी का उपयोग किया जा सकता है, जहां अन्य उपचार असरदार नहीं होते। स्थिर विटिलिगो वाले मरीजों के लिए, पंच ग्राफ्टिंग, सक्शन ब्लिस्टर ग्राफ्टिंग और एडवांस्ड नॉन-कल्चर्ड मेलेनोसाइट सस्पेंशन तकनीक सहित कई सर्जिकल उपचार उपलब्ध हैं। ये सभी प्रोसेस काफी कारगर हैं। *

प्रस्तुति: विवेक शुक्ला

गलतफहमियों से रहें दूर

मिथ: एक गंभीर बीमारी है विटिलिगो।
तथ्य: विटिलिगो गंभीर बीमारी नहीं है, लेकिन यह व्यक्ति के शारीरिक सौंदर्य को प्रभावित कर सकती है।
मिथ: विटिलिगो एक संक्रामक रोग है।
तथ्य: विटिलिगो संक्रामक नहीं है। इस कारण यह एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में नहीं फैलता।
मिथ: विटिलिगो कैंसर का कारण बनता है।
तथ्य: विटिलिगो का कैंसर से कोई संबंध नहीं है।
मिथ: विटिलिगो केवल गोरी त्वचा वाले लोगों को होता है।
तथ्य: विटिलिगो किसी भी उम्र या किसी भी रंग की त्वचा वाले व्यक्ति को हो सकता है।

और कितने लाक्षागृह

यह अग्निकांड नहीं, हत्याकांड है। यह हादसा या दुर्घटना नहीं, कत्लेआम का बंदोबस्त है। यह आधुनिक दौर का लाक्षागृह कांड है। ऐसी हत्याएं यहीं नहीं रुकेंगी, क्योंकि यह हमारी व्यवस्था की निरंतर नाकामी है। नगर निगम आंख मूंद कर सोया है, निर्लिप्त है, कोई चिंता-सरोकार नहीं है। बिजली विभाग को करंट दो, क्योंकि वह सन्नाटे में बेसुध है। फायर ब्रिगेड के भीतर जान बचाने का जज्बा बुझ चुका है। ये विभाग और बड़े अधिकारी सिर्फ चाय-पानी की प्रतीक्षा में हैं। उनकी औलादें विदेश में या बेहतर व्यवस्था के संस्थानों में कम्प्यूटर पर खेल रही हैं। आग विदेश में भडकती है, धुआं वहां भी काला और दमघोंटू होता है। लाक्षागृह स्तरीय संस्थानों में भी बनाए जा सकते हैं। एक बार किसी मंत्री, मुख्यमंत्री, मेयर, सचिव, निदेशक का बच्चा ऐसे लाक्षागृह में फंसना चाहिए, लेकिन उसके दम घुटने अथवा जिंदा जल जाने की कल्पना भी हम नहीं करेंगे। लाक्षागृह लखनऊ में ही नहीं हैं। इसी महीने की शुरूआत में राजधानी दिल्ली के एक गेस्ट हाउस में अग्निकांड हो गया था। 21-22 निर्दोष, अतिथि मारे गए। राजधानी दिल्ली के विवेक विहार, पालम, द्वारिका आदि में भी कई लोग जिंदा जल कर खाक हो गए। उनकी क्षतिपूर्ति 5-10 लाख रुपए आंकी गई और अध्याय खत्म..! फिर एक और लाक्षागृह का इंतजारङ्क! देश के आंध्रप्रदेश, तमिलनाडु, राजस्थान, गुजरात आदि राज्यों में लाक्षागृह धू-धू कर जले हैं। कितना होश आया, व्यवस्था बदली या बुलडोजर चलाए गए? देश में और कितने ऐसे लाक्षागृह हैं, कोई नहीं बता सकता। ईश्वर भी असहाय साबित होंगे। जांच के नाम पर कुछ ढोंग किए जाते हैं, कुछ इमारतें सील की जाती हैं, छोटे कर्मचारी निलंबित कर दिए जाते हैं, बसङ्कहो गया न्याय! सरकारें मुआवजे बांटने को लालायित रहती हैं। शायद उनसे भी वोट मिलते होंगे! सरकारें अवैध, अतिक्रमण वाले, असुरक्षित, बिन अग्निशमन सिस्टम के, बड़े-बड़े निमार्णों, इमारतों, होटलों, मॉल, अस्पताल, स्कूल-कॉलेज की तरफ आंख उठा कर भी नहीं देखतीं, क्योंकि चाय-पानी मिल चुका होता है।

हमारी संपूर्ण व्यवस्था ही बेईमान, भ्रष्ट, नालायक और सुप्तावस्था में है। नतीजतन लाक्षागृह बनते जा रहे हैं। लखनऊ में भी कुछ अधिकारियों को निलंबित करने से कुछ नहीं होगा। जिनके कार्यकाल में ये लाक्षागृह बनाए गए हैं, उन्हें सरकारी सेवाओं से, तुरंत प्रभाव से, बर्खास्त कर देना चाहिए। सरकारें अदालती चुनौतियों को भी झेलें और उन्हें यथार्थ से अवगत कराएं। सरकारों को ऐसा दंडात्मक रुख अख्तियार करना पड़ेगा। लाक्षागृह में आग लगने से 2005-15 में सालाना 17,700 से अधिक मौतें हुई हैं। 2015-24 के दौरान 10,909 मौतेंङ्क! अर्थात 25-30 लाक्षागृह मौतें हररोजङ्क! कितना खौफनाक, त्रासद आंकड़ा है यह? 2024 की रपट भी सामने है, जिसके मुताबिक उस साल 5971 लाक्षागृह कांड हुए, जिनमें 5888 मौतें हुईं। क्या ऐसा देश विश्व-गुरु होने की खुशफहमी भी पालने लायक है? स्मार्ट सिटी बनाने की परियोजना ही बंद कर देनी चाहिए, क्योंकि हम ऐसा ढांचा बनाने में अक्षम हैं। हम चेतना-सोच के स्तर पर स्मार्ट होने से बहुत दूर हैं। क्यों करदाताओं के करोड़ों रुपए स्मार्टफहमी के नाम पर फूंके जा रहे हैं? जिन्हें चाय-पानी की लार परेशान कर रही है, उन्हें सत्ता और प्राधिकरण के दफ्तरों से बाहर कर देना चाहिए। यदि प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री यह काम नहीं कर सकते, तो यह काम भी देश की आक्रोशित जनता कर सकती है। यह लापरवाही, अनदेखी और भ्रष्टाचार की पराकाष्ठा है कि 70 फीसदी से अधिक दिल्ली लाक्षागृह की आशंका, अंदेशों के साथ जी रही है। जरा दिल्ली के सदर बाजार, चांदनी चौक, करोल बाग, पहाडगंज सरीखे बाजारों में घूम कर अनुभव लें। दिल्ली की बड़ी-बड़ी इमारतों के परिसर में जाकर उनकी पुरानी, संकरी व्यवस्था को देख लें, नंगी तारों के झुंड भी जरूर देखना, तो आप एकबारगी सिहर उठेंगे।

समझौता कैसे होगा?

भारत के संदर्भ में 25 जून का दिन अलोकतांत्रिक, दमनकारी, तानाशाही आपातकाल का है, लेकिन वैश्विक स्तर पर भी आपात स्थितियां बनी हैं, क्योंकि अमरीका और ईरान के बीच सब कुछ विरोधाभासी ही है। दोनों देशों ने 14 बिंदुओं वाले सहमति-पत्र पर हस्ताक्षर किए हैं, लेकिन संवाद ठहरा है अथवा मध्यस्थों के साथ जारी है। अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप बार-बार विनाशक हमले की धमकियां दे रहे हैं। वहां के अधिकतर लोग मानते हैं कि ईरान युद्ध में अमरीका पराजित हुआ है। सहमति-पत्र में लगभग सभी ईरानी शर्तें अमरीका को माननी पड़ी हैं। सीनेट में भी ट्रंप हार गए हैं, क्योंकि अमरीकी संसद ने ह्यवॉर पॉवर्सह्ण संबंधी प्रस्ताव पारित कर लिया है। अब संसद की पूर्व अनुमति के बिना राष्ट्रपति ट्रंप किसी भी युद्ध में कूद नहीं सकते। बहरहाल ट्रंप की धमकियों पर ईरान भी पलटवार को तैयार है। उनके सुप्रीम लीडर मुज्तबा खामेनेई का एक सीक्रेट पत्र लीक हुआ है, जिसमें साफ आदेश है कि अमरीका के साथ बातचीत तुरंत रोक दें। इसी जंगी माहौल में ईरान ने ह्यकादिरह्ण बैलिस्टिक मिसाइल का सफल परीक्षण किया है। अमरीका और ईरान युद्ध के मोर्चों पर सैन्य तौर पर तैनात हैं। क्या ऐसे समझौता संभव है? ईरान और इजरायल एक बार फिर एक-दूसरे पर विध्वंसक हमले करने की तैयारी-तैनाती में हैं।

कोरिया फ्रंटलाइन

विवि में बिना रोस्टर व अनुमोदन के भर्ती का आरोप, राज्यपाल से शिकायत

शिकायत कर्ताओं ने भर्ती प्रक्रिया को नियम-विरुद्ध, अपारदर्शी और मनमाना बताया

छ.ग.फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय, अंबिकापुर में वर्ष 2025-26 की शिक्षक भर्ती प्रक्रिया विवादों में घिरी प्रतीत हो रही है। विश्वविद्यालय द्वारा 22 दिसंबर 2025 को सहायक प्राध्यापक, एसोसिएट प्रोफेसर, प्रोफेसर एवं लेब टेक्निशियन के पदों के लिए जारी विज्ञापन के खिलाफ अभ्यर्थियों ने राज्यपाल एवं कुलाधिपति को विस्तृत शिकायत भेजी है। शिकायत में भर्ती प्रक्रिया को नियम-विरुद्ध, अपारदर्शी और मनमाना बताते हुए तत्काल प्रभाव से नियुक्ति प्रक्रिया पर रोक लगाने तथा पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग की गई है। वहीं विश्वविद्यालय प्रबंधन इन आरोपों को नकारते हुये पूरी पारदर्शिता के साथ भर्ती होने का दावा कर रहा है।

शिकायतकर्ता उत्तर प्रदेश निवासी इतेन्द्र चौबे व नीलू दुबे ने छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन को पोस्ट के माध्यम से शिकायत की प्रति उपलब्ध कराते हुये बताया है कि भर्ती विज्ञापन का अवलोकन करने पर कई गंभीर त्रुटियां सामने आई हैं, जिनसे न केवल पात्र अभ्यर्थियों के अधिकार प्रभावित हुए बल्कि पूरी चयन प्रक्रिया की निष्पक्षता भी संदेह के घेरे में आ गई है। शिकायत की प्रतिलिपि मुख्यमंत्री, उच्च शिक्षा विभाग, आयुक्त, सीबीआई, ईओडब्ल्यू, कलेक्टर सहित अन्य अधिकारियों को भी भेजी गई है। शिकायत में कहा गया है कि विश्वविद्यालय ने भर्ती विज्ञापन में आरक्षण रोस्टर का स्पष्ट और पारदर्शी विवरण प्रकाशित नहीं किया। नियमानुसार भर्ती से पहले रोस्टर समिति का गठन कर सक्षम प्राधिकारी से अनुमोदन आवश्यक होता है, ऐसा नहीं किया गया। इनका आरोप है कि रोस्टर संबंधी जानकारी सार्वजनिक नहीं करने से आरक्षण नीति के पालन पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। शिकायत में उल्लेख किया गया है कि वर्ष 2013 और 2018 के भर्ती विज्ञापनों में जिन विभागों का नाम 'प्रयोजनमूलक हिन्दी' एवं 'विधिक अध्ययन (लीगल स्टडीज)' था, उन्हें नए विज्ञापन में क्रमशः 'हिन्दी' और 'विधि' कर दिया गया। आरोप यह भी है कि बिना सक्षम स्वीकृति विभागों के नाम बदलना नियमों के विपरीत है और इससे पात्रता को लेकर भ्रम की स्थिति उत्पन्न हुई है।

चयन प्रक्रिया में भुगतना पड़ा इसका खामियाजा

अभ्यर्थियों का आरोप है कि कंप्यूटर साइंस, पर्यावरण विज्ञान, बायोटेक्नोलॉजी, फार्मेसी और फॉरेस्ट्री जैसे विषयों में एलाइड विषयों का स्पष्ट उल्लेख नहीं किया गया, जबकि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के नियमों के अनुसार एलाइड विषयों का उल्लेख आवश्यक होता है। इससे कई योग्य अभ्यर्थियों को आवेदन और चयन प्रक्रिया में नुकसान उठाना पड़ा। शिकायत में यह भी कहा गया है कि रिक्त पदों की जानकारी संबंधित विभागों एवं कार्यपरिषद से विधिवत अनुमोदित नहीं कराई गई। आरोप है कि प्रशासन ने जल्दबाजी में विज्ञापन जारी कर भर्ती प्रक्रिया शुरू कर दी, जिससे पारदर्शिता और प्रशासनिक प्रक्रिया प्रभावित हुई।

कुलपति के कार्यभार संभालने के बाद बदलाव

शिकायतकर्ताओं के अनुसार वर्तमान कुलपति के पदभार ग्रहण करने के कुछ ही दिनों बाद विभागों के नाम बदलने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई। आरोप है कि, यह परिवर्तन भर्ती प्रक्रिया शुरू होने के बाद किया गया, जिससे पहले से आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों के हित प्रभावित हुए। शिकायत पत्र में कुछ अधिकारियों पर वित्तीय अनियमितता और लेनदेन के गंभीर आरोप भी लगाए गए हैं। हालांकि इन आरोपों के समर्थन में कोई आधिकारिक प्रमाण सार्वजनिक रूप से उपलब्ध नहीं कराया गया है। इसलिए इन आरोपों की पुष्टि भी हम नहीं करते हैं। शिकायतकर्ताओं ने इन बिंदुओं पर स्वतंत्र एजेंसी से जांच कराने की मांग की है।

राज्यपाल से की गई मांगें

- पूरी भर्ती प्रक्रिया की स्वतंत्र एवं उच्चस्तरीय जांच कराई जाये।
- जांच पूरी होने तक सभी नियुक्तियों पर रोक लगाई जाये।
- भर्ती प्रक्रिया में शामिल अधिकारियों के भूमिका की जांच कराई जाये।
- यदि अनियमितता प्रमाणित होती है तो इसे निरस्त करके नई भर्ती प्रक्रिया शुरू की जाये।

बयान

भर्ती प्रक्रिया में पूरी तरह से पारदर्शिता बरती गई है। होता यह है कि किसी विषय के लिए सीट एक होती है और अभ्यर्थी ज्यादा होते हैं। इस स्थिति में जिनका चयन नहीं होता है वे असंतुष्ट रहते हैं। भर्ती विज्ञापन रोस्टर नियमों का पालन किये बिना संभव ही नहीं है। इसकी कभी भी जांच कराई जा सकती है।

-एसपी त्रिपाठी, कुलसचिव

प्रदेश में कानून व्यवस्था पूरी तरह विफल: स्वप्निल सिन्हा

अपराधियों में पुलिस का नही है डर

मनेन्द्रगढ़ (एमसीबी)। जिला कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता और वार्ड क्रमांक 22 के पार्षद स्वप्निल सिन्हा ने प्रदेश की भाजपा सरकार पर कानून व्यवस्था को लेकर गंभीर आरोप लगाये हैं। जारी प्रेस विज्ञप्ति में उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में अपराधों का ग्राफ लगातार बढ़ रहा है और अपराधियों के मन से कानून का भय समाप्त हो चुका है। प्रदेश की कानून व्यवस्था आज अपने सबसे कमजोर दौर से गुजर रही है।

स्वप्निल सिन्हा ने कहा कि हाल ही में सोनहत क्षेत्र में हुए तिहरे हत्याकांड ने पूरे प्रदेश को झकझोर कर रख दिया है। इस घटना ने यह साबित कर दिया है कि अपराधी बेखौफ होकर वारदातों को अंजाम दे रहे हैं और शासन-प्रशासन उन्हें रोकने में नाकाम साबित हो रहा है। उन्होंने मनेन्द्रगढ़ के मौहारपारा इलाके में एक युवक पर हुए जानलेवा हमले का उल्लेख करते हुए कहा कि पांच नकाबपोश बदमाशों द्वारा खुलेआम हमला किया जाना स्थानीय कानून व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करता है। यदि शहर के भीतर ही लोग सुरक्षित नहीं हैं तो आम नागरिकों में भय का वातावरण बनना स्वाभाविक है। कांग्रेस प्रवक्ता ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार अपराध नियंत्रण के मोर्चे पर पूरी तरह असफल रही है। हत्या, लूट, मारपीट और अन्य गंभीर अपराधों की घटनाओं में लगातार वृद्धि हो रही है लेकिन सरकार केवल दावे और घोषणाएं करने में व्यस्त है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता सुरक्षा चाहती है लेकिन वर्तमान सरकार उन्हें सुरक्षित वातावरण देने में विफल साबित हुई है। स्वप्निल सिन्हा ने सरकार से प्रदेश में बिगड़ती कानून व्यवस्था पर तत्काल प्रभावी कदम उठाने, अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही करने और आम जनता में सुरक्षा का भरोसा बहाल करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि कानून का राज स्थापित करना सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी है और इस जिम्मेदारी से भाजपा सरकार बच नहीं सकती।

दोषमुक्ति के प्रकरणों की समीक्षा, दोषसिद्धि के आंकड़ों में वृद्धि के निर्देश

■ डीआईजी एवं एसएसपी सरगुजा ने जिला अभियोजन अधिकारी एवं लोक अभियोजकों के साथ की साझा बैठक

छ.ग.फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। पूर्व लंबित दोषमुक्ति के प्रकरणों की समीक्षा हेतु डीआईजी एवं एसएसपी सरगुजा ने साझा बैठक ली और जिला अभियोजन अधिकारी एवं लोक अभियोजकों से समन्वय स्थापित करके लम्बित दोषमुक्ति प्रकरणों के समीक्षा पर विस्तार पूर्वक चर्चा की। उन्होंने प्रकरणों में नियमानुसार अग्रिम कार्रवाई करने के लिये रिपोर्ट डीपीओ कार्यालय में प्रस्तुत करने के निर्देश दिये। बैठक दौरान प्रकरणों में दोषमुक्ति के कारणों की समीक्षा कर उन्हें दूर करने और दोषसिद्धि के आंकड़ों में वृद्धि करने के निर्देश दिये गये। डीआईजी एवं एसएसपी सरगुजा राजेश कुमार अग्रवाल के निर्देश पर पूर्व के लंबित दोषमुक्ति के मामलों की समीक्षा कर रिपोर्ट कार्यालय में प्रस्तुत करने एवं नियमानुसार अग्रिम कार्रवाई करने के दृष्टिकोण से 26 जून को पुलिस अधीक्षक कार्यालय के सभा कक्ष में जिला अभियोजन अधिकारी, सहायक जिला अभियोजन अधिकारी एवं लोक अभियोजक के साथ समन्वय स्थापित करके साझा बैठक आयोजित की गई। बैठक में उन्होंने अभियोजन अधिकारियों एवं लोक अभियोजक से पूर्व के लंबित सेशन ट्रॉयल मामलों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने लंबित प्रकरणों की रिपोर्ट डीपीओ कार्यालय में शीघ्र प्रस्तुत करने के निर्देश दिये। बैठक में दोषमुक्ति के कारणों की समीक्षा करके उन्हें दूर करने एवं दोषसिद्धि के आंकड़ों में वृद्धि करने पर भी चर्चा हुई। जिला अभियोजन अधिकारियों से प्रकरणों में दर्शित कमी/त्रुटियों को समय पर दूर करने संबंधी चर्चा की गई ताकि प्रकरण न्यायालय में विचारण दौरान कमी/त्रुटि का लाभ आरोपी को प्राप्त न हो एवं प्रकरण में दोषसिद्ध हो। बैठक के दौरान उप निदेशक अभियोजन राजेश खलखो, जिला अभियोजन अधिकारी चंद्र प्रकाश केशरी, सहायक अभियोजन अधिकारी अल्बर्ट टोप्पो, नटराज पाण्डेय, लोक अभियोजक गौरांगो सिंह, नरेन्द्र पाण्डेय (जीपी), विवेक शुक्ला (एसजीपी), रीडर अमित पाण्डेय समेत अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

अतिक्रमण हटाने गई टीम को झूमाझटकी, गालीगलौज का करना पड़ा सामना

छ.ग.फ्रंटलाइन

उदयपुर। शासकीय भूमि से कब्जा हटाने गये अधिकारियों के साथ गालीगलौज और जान से मारने की धमकी देते हुये धक्का-मुक्की करने, खुद पर पेट्रोल डालकर आग लगाने की धमकी देने के मामले में पुलिस ने चार आरोपियों के विरूद्ध केस दर्ज किया है। घटना उदयपुर थाना क्षेत्र के ग्राम तोलगा की है। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, ग्राम पंचायत तोलगा के द्वारा एसडीएम उदयपुर के समक्ष शासकीय भूमि खसरा नंबर 183/861 रकबा 3.076 हेक्टेयर भूमि से कब्जा हटाने के लिये आवेदन प्रस्तुत किया गया था, जिस पर एसडीएम ने 23 जून को आदेश दिया था कि, उपरोक्त शासकीय भूमि के अंश भाग से श्रवण दास पिता रजिन्द्र दास एवं नारायण पिता शिवलाल गोंड़ के द्वारा अतिक्रमण करके बनाये गये घर को हटाया जाये। नारायण पिता शिवलाल गोंड ने स्वयं से शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटा लिया लेकिन श्रवण दास के द्वारा अतिक्रमण नहीं हटाने पर उदयपुर के तहसीलदार तारा सिदार, नायब तहसीलदार संजय सारथी के द्वारा 24 जून को अतिक्रमण हटाना नियत किया गया था। 24 जून को पुलिस बल के साथ मौके पर तहसीलदार, नायब तहसीलदार एवं हल्का पटवारी पहुंचे इस दौरान पंचायत सचिव एवं सरपंच भी उपस्थित थे। श्रवण दास और उसकी पत्नि को अतिक्रमण करके बनाये गये घर से सामान निकालने की समझाइश दी गई, लेकिन वे अपनी तरफ से घर को खाली करने के लिये राजी नहीं हुये।

नारी राग-रंग महोत्सव 2026 का भव्य शुभारंभ

छ.ग.फ्रंटलाइन

मनेंद्रगढ़ (एमसीबी)। श्रद्धा महिला मंडल एवं मानव संसाधन विभाग एसईसीएल बिलासपुर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय नारी राग-रंग महोत्सव 2026 का शुभारंभ गुरुवार को वसुंधरा क्लब क्षेत्रीय मुख्यालय हसदेव क्षेत्र में हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में हुआ। 25 एवं 26 जून को आयोजित होने वाले इस महोत्सव में जागृति महिला समिति एवं मानव संसाधन विभाग हसदेव क्षेत्र के संयोजन में आयोजित इस महोत्सव में महिला अधिकारी, महिला कर्मचारी तथा अधिकारियों एवं कर्मचारियों की पत्नियां उत्साहपूर्वक सहभागिता कर रही हैं। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि जागृति महिला समिति की अध्यक्षा डॉ सरोज बाला बिश्नोई रहीं। उनके साथ जागृति महिला समिति की अन्य पदाधिकारीगण रूनामित्रा, पूनम रानी, रूपादत्ता, माला तिवारी, तृप्ती पांडेय भी उपस्थित रहीं। दीप प्रज्वलन इसके पश्चात वंदे मातरम् एवं कोल इंडिया गीत की सामूहिक प्रस्तुति के साथ कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन किया गया। मुख्य अतिथि का पौधा भेंट कर स्वागत किया गया। स्वागत उद्बोधन डी. डी. तिवारी स्टाफ ऑफिसर (मानव संसाधन) के द्वारा किया गया। तत्पश्चात अमन कुमार प्रबंधक (मानव संसाधन) के द्वारा नारी राग-रंग महोत्सव की रूपरेखा प्रस्तुत की गई। तत्पश्चात सभी प्रतिभागियों एवं निर्णायक मंडल द्वारा शपथ ग्रहण किया गया तथा निर्णायकों का परिचय एवं स्वागत किया गया। अपने उद्बोधन में डॉ सरोज बाला बिश्नोई ने महिलाओं की प्रतिभा, सृजनात्मकता एवं सांस्कृतिक अभिव्यक्ति को प्रोत्साहित करने में ऐसे आयोजनों की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए सभी प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम के प्रथम दिवस में स्वागत गीत एवं स्वागत नृत्य की मनमोहक प्रस्तुतियों के साथ विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। मेहंदी, आर्ट एवं क्राफ्ट, बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट, पेंटिंग, ड्राइंग, रंगोली, मोनो एक्ट, एंकरिंग, मिमिक्री, स्टैंड-अप कॉमेडी, नाटक तथा एकल गीत प्रतियोगिताओं में प्रतिभागियों ने बढ़-चढ़कर भाग लेते हुए अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। महोत्सव के ज्यूरी सदस्यों में डॉ. सरोज बाला बिश्नोई, श्रीमती रंजीता कुमार, श्रीमती रूना मित्रा, श्रीमती रूपा दत्ता एवं श्रीमती माला तिवारी शामिल हैं, जिनके मार्गदर्शन एवं सहयोग से कार्यक्रम का सफल संचालन किया जा रहा है।

संविधान हत्या दिवस पर लोकतंत्र सेनानियों का सम्मान

अंबिकापुर। 26 जून संविधान हत्या दिवस के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी सरगुजा द्वारा संकल्प भवन भाजपा जिला कार्यालय में जिला स्तरीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वर्ष 1975 के आपातकाल के दौरान लोकतंत्र की रक्षा के लिए संघर्ष करने वाले मीसाबंदियों एवं उनके परिजनों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वालों में त्रिवेणी राम कश्यप, परमात्मा सिंह, विजय शंकर शुक्ला, देवेंद्र कौर, तारा देवी, किरण मिश्रा एवं मंजू सिंह शामिल रहे। इस अवसर पर सप्ताह में दो दिन अंबिकापुर से दिल्ली तक हवाई आवागमन की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए सरगुजा सांसद चिंतामणि महाराज का भी सम्मान किया गया। मुख्य वक्ता भाजपा प्रदेश महामंत्री अखिलेश सोनी ने कहा कि वर्ष 1975 का आपातकाल भारतीय लोकतंत्र के इतिहास का सबसे काला अध्याय था, जब संविधान की भावना को कुचलकर नागरिक अधिकारों और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर कठोर प्रतिबंध लगाये गये।

बालाजी मेडिकल स्टोर में विधिवत एक्यूप्रेशर मशीन का उद्घाटन

छ.ग.फ्रंटलाइन

मनेंद्रगढ़ (एमसीबी)। शहर में स्वास्थ्य जागरूकता और वैकल्पिक चिकित्सा पद्धतियों के प्रति बढ़ती रुचि के बीच आम लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में एक नई पहल की गई है। राजस्थान भवन में संचालित योग धारा कार्यक्रम में कांसा थाली एक्यूप्रेशर मशीन से लोगों को मिल रहे सकारात्मक लाभों को देखते हुए बालाजी मेडिकल स्टोर्स के संचालक विजय अग्रवाल ने अपने प्रतिष्ठान में आमजन की सुविधा के लिए इस विशेष मशीन की व्यवस्था की है। पंजाब नेशनल बैंक के सामने स्थित बालाजी मेडिकल स्टोर्स में स्थापित इस एक्यूप्रेशर मशीन का विधिवत उद्घाटन नगर के गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति में किया गया। इस अवसर पर सामाजिक कार्यकर्ता श्यामसुंदर पोद्दार, अशोक बोंदिया सहित शहर के अनेक वरिष्ठ नागरिक, समाजसेवी एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरूक लोग मौजूद रहे। जानकारी के अनुसार कांसा थाली एक्यूप्रेशर मशीन शरीर के विभिन्न बिंदुओं पर दबाव उत्पन्न कर स्वास्थ्य लाभ पहुंचाने का कार्य करती है। इसके नियमित उपयोग से मधुमेह (डायबिटीज), उच्च रक्तचाप (बीपी), मांसपेशियों एवं जोड़ों के दर्द जैसी समस्याओं में राहत मिलने की बात कही जा रही है। इसके अलावा शरीर की ऊर्जा को संतुलित करने तथा रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करने में भी इसे उपयोगी माना जाता है। कई लोगों ने इस मशीन का उपयोग कर सकारात्मक अनुभव साझा किए हैं, जिसके बाद शहर में इसकी मांग बढ़ी है। उद्घाटन कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों ने कहा कि आधुनिक जीवनशैली के कारण लोगों में विभिन्न प्रकार की स्वास्थ्य समस्याएं बढ़ रही हैं। ऐसे समय में योग, प्राकृतिक चिकित्सा और एक्यूप्रेशर जैसी पद्धतियां लोगों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित कर रही हैं। उन्होंने विजय अग्रवाल की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इससे शहरवासियों को स्वास्थ्य संबंधी वैकल्पिक सुविधाओं का लाभ आसानी से मिल सकेगा।

बालाजी मेडिकल स्टोर्स के संचालक विजय अग्रवाल ने बताया कि उनका उद्देश्य केवल दवाइयों तक सीमित न रहकर लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना भी है। उन्होंने कहा कि जो लोग इस मशीन का लाभ लेना चाहते हैं, वे बालाजी मेडिकल स्टोर्स पहुंचकर इसके बारे में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं और इसका उपयोग कर सकते हैं। शहर में स्वास्थ्य संवर्धन की दिशा में की गई इस पहल को नागरिकों ने सराहनीय बताते हुए भविष्य में भी ऐसे जनहितकारी प्रयासों की अपेक्षा जताई है।

सरगुजा जिले के नगरीय निकायों में 15 एल्डरमैन नियुक्त

अंबिकापुर। प्रदेश सरकार ने नगरीय निकायों में एल्डरमैन (नामांकित पार्षद) की नियुक्ति के आदेश जारी कर दिए हैं। इस सूची में संगठन के समर्पित कार्यकर्ताओं को नई जिम्मेदारी दी गई है। सरगुजा जिले से कुल 15 लोगों को एल्डरमैन मनोनीत किया गया है, इनमें नगर पालिक निगम अंबिकापुर से सर्वाधिक 9, नगर पंचायत लखनपुर से 3 और नगर पंचायत सीतापुर से 3 लोगों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। सरगुजा के नगर पालिक निगम अंबिकापुर से करता राम गुप्ता, श्रीमती सावित्री जायसवाल, राजबहादुर सिंह, शरद सिन्हा, श्रीमती किरण सोनी, संतोष दास, तजिन्दर बग्गा, रमेश जायसवाल, श्रीधर केशरी (दिव्यांग) नामांकित पार्षद नियुक्त किये गये हैं। एल्डरमैन नगर निगम और नगर पंचायतों में शासन द्वारा मनोनीत सदस्य होते हैं। इन्हें सदन में मतदान करने का अधिकार नहीं होता, लेकिन शहर के विकास कार्यों, नीति-निर्धारण और जनहित के मुद्दों पर सुझाव देने का पूरा अधिकार रहता है।

सीएम हेल्पलाइन में प्राप्त शिकायतों के त्वरित निराकरण पर विशेष फोकस

छ.ग.फ्रंटलाइन

मनेन्द्रगढ़ (एमसीबी)। एमसीबी जिला प्रशासन द्वारा सीएम हेल्पलाइन 1076 में प्राप्त शिकायतों के निराकरण पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। कलेक्टर के निर्देशन में सभी विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण, संवेदनशील एवं शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए गए हैं। जिले में अब तक सीएम हेल्पलाइन के माध्यम से कुल 403 शिकायतें प्राप्त हुई हैं। इनमें से 218 शिकायतें वर्तमान में लंबित हैं। वहीं 19 शिकायतों का निराकरण कर उनका क्लोजर किया जा चुका है, जबकि 166 शिकायतों का निराकरण होने के उपरांत हितग्राहियों से फीडबैक प्राप्त किया जाना शेष है। जिला प्रशासन द्वारा सीएम हेल्पलाइन में प्राप्त शिकायतों की नियमित समीक्षा की जा रही है तथा विभागवार प्रगति की सतत निगरानी की जा रही है। संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वे लंबित शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण सुनिश्चित करें तथा शिकायतकर्ताओं की समस्याओं का समाधान गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ करें। प्रशासन का उद्देश्य केवल शिकायतों का निस्तारण करना ही नहीं, बल्कि शिकायतकर्ताओं की संतुष्टि सुनिश्चित करते हुए उन्हें वास्तविक राहत प्रदान करना है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की मंशानुरूप आम नागरिकों की समस्याओं के समाधान को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। जिला प्रशासन इस दिशा में सक्रियता से कार्य कर रहा है और सभी विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के निराकरण को लेकर विशेष रूप से केंद्रित हैं। शिकायतों की प्रतिदिन मॉनिटरिंग की जा रही है तथा आवश्यकतानुसार संबंधित विभागों से प्रगति प्रतिवेदन भी प्राप्त किए जा रहे हैं। जिला प्रशासन का प्रयास है कि सभी लंबित शिकायतों का जल्द से जल्द गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित किया जाए, जिससे आमजन को त्वरित राहत मिल सके और शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ प्रभावी रूप से प्रत्येक पात्र हितग्राही तक पहुंचे। प्रशासन का मानना है कि जनसमस्याओं का समयबद्ध समाधान ही सुशासन की आधारशिला है और इसी उद्देश्य के साथ जिले में सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों के निराकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ाया जा रहा है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर्स व ऑफसेट पुराना पोस्ट ऑफिस रोड दर्रीपारा अम्बिकापुर (छ.ग.) पिन नं. 497001 से मुद्रित व महलपारा बैकुण्ठपुर से प्रकाशित। संपादक- कमलेश शर्मा